वर्ष-10 अंक-238 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये
प्रयागराज, मंगलवार 03 दिसम्बर 2024
TM
नगर संस्करण
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित
आधुनिक समाचार नेटवर्क
Download From Google Play
Adhunik Samachar

संक्षिप्त समाचार

मैं माफी को कभी हल्के में नहीं लूंगा', राष्ट्रपति बाइडन से क्षमादान मिलने पर बोले हंटर

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने बेटे हंटर को क्षमादान दे दिया है। रिपब्लिकन नेता के बेटे अवैध तरीके से हथियार रखने और बंदूक के लिए जांच में गलत जानकारी देने के दोषी पाए गए थे। अब जानिए माफी मिलने

के बाद हंटर ने क्या कुछ कहा। राष्ट्रपति जो बाइडन रविवार रात अपने ही वादे से पलट गए। उन्होंने कहा था कि वह अपने कार्यालय का अपने परिवार के किसी सदस्य को लाभ नहीं लेने देंगे। मगर अब उन्होंने अपने बेटे हंटर को संघीय बंदूक और कर अपराधों के लिए संभावित जेल की सजा से बचने के लिए माफ कर दिया है। उन्होंने क्षमादान पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। अब इस पूरे मामले पर हंटर बाइडन की प्रतिक्रिया सामने आई है। उनका कहना है कि वह अपनी क्षमा को हल्के में नहीं लेंगे। बाइडन के बेटे ने कहा, 'मैंने अपनी लत के सबसे बुरे दिनों में अपनी गलतियों को स्वीकार किया है और उनकी जिम्मेदारी ली है। ऐसी गलतियां जिनका राजनीतिक खेल के लिए मुझे और मेरे परिवार को सार्वजनिक रूप से अपमानित और शर्मिंदा करने के लिए शोषण किया गया है। इन सबके बावजूद, मैंने अपने गहरे विश्वास और अपने परिवार तथा दोस्तों के अटूट प्यार व समर्थन की वजह से पांच साल से अधिक समय तक अपनी संयम बनाए रखा है। उन्होंने आगे कहा, 'नशे की लत में, मैंने कई अवसरों और लाभों को गंवा दिया। ठीक होने पर हमें जहां संभव हो, सुधार करने और अपने जीवन को फिर से बनाने का अवसर दिया जा सकता है, अगर हम कभी भी उस दया को हल्के में न लें जो हमें दी गई है। मुझे आज जो भी क्षमादान दिया गया है ।

ओडिशा में नक्सलियों का लगभग सफाया, बीएसएफ का दावा- अब सिर्फ 60-70 ही सक्रिय

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। बीएसएफ आईजी (फ्रंटियर मुख्यालय, विशेष अभियान) सीडी अग्रवाल ने बताया कि यहां सक्रिय नक्सलियों में केवल सात मूलतः ओडिशा के हैं और वे भी किसी तरह की नेतृत्वकारी भूमिका में नहीं रह गए

हैं। बाकी पड़ोसी राज्यों के हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कई मौकों पर मार्च 2026 तक नक्सलवाद के सफाये की प्रतिबद्धता जताते रहे हैं। इस बीच, ओडिशा में प्रतिबंधित माओवादी संगठनों की गतिविधियां बेहद सीमित हो जाने की जानकारी सामने आई है। बीएसएफ के एक अधिकारी के मुताबिक, राज्य में अब सिर्फ 60-70 नक्सली ही सक्रिय हैं, और उनमें से अधिकांश पड़ोसी राज्यों आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के हैं। बीएसएफ आईजी (फ्रंटियर मुख्यालय, विशेष अभियान) सीडी अग्रवाल ने बताया कि यहां सक्रिय नक्सलियों में केवल सात मूलतः ओडिशा के हैं और वे भी किसी तरह की नेतृत्वकारी भूमिका में नहीं रह गए हैं। बाकी पड़ोसी राज्यों के हैं। लेकिन उनकी सक्रियता भी सात जिलों कालाहांडी, कंधमाल, बोलांगीर, मलकानगिरी, नबरंगपुर, नुआपाड़ा और रायगढ़ तक सीमित रह गई हैं। इसके साथ ही अग्रवाल ने कहा कि यद्यपि नक्सलवाद पर लगाम की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है लेकिन चुनौतियां भी बरकरार हैं, खासकर कालाहांडी, कंधमाल और बौध के घने जंगलों में आईईडी धमाके किए जाने का खतरा बना रहता है। ओडिशा में 2010 में पहली बार तैनाती के बाद से बीएसएफ के 14 जवान बलिदान हो चुके हैं। बीएसएफ आईजी ने बताया कि नक्सली हिंसा चरम पर होने के दौरान ओडिशा में तैनात किए गए इस बल ने कुछ सबसे खतरनाक इलाकों में अभियान चलाए हैं और अब तक 250-300 नक्सलियों को मार गिराया है। उन्होंने बताया कि 2024 में तीन खूंखार नक्सली मारे गए और 24 कट्टर कैडरों ने आत्मसमर्पण किया। एजेंसी छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की लगाई आठ आईईडी बरामद की हैं। बीएसएफ के एक अधिकारी ने बताया, कोयलीबेड़ा के अटखड़ियापारा गांव के पास बरामद आईईडी का वजन दो से तीन किलोग्राम तक है। विस्फोटकों को सात स्टील के टिफिन और एक प्रेशर कुकर में भरकर रखा गया था। नक्सली सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाना चाहते थे, लेकिन इस बरामदगी से बड़ी वारदात बच गई।

59वें डीजी/आईजी अखिल भारतीय सम्मेलन में शामिल हुए पीएम मोदी

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुलिस महानिदेशकों/महानिरीक्षकों के 59वें अखिल भारतीय सम्मेलन में हिस्सा लिया। बुद्धिमत्ता (एआई) प्रौद्योगिकी के कारण उत्पन्न संभावित खतरों, विशेष रूप से सामाजिक और पारिवारिक संबंधों को बाधित करने के लिए 'डीपफेक' की क्षमता पर

इस दौरान प्रधानमंत्री ने स्मार्ट पुलिसिंग के मंत्र का विस्तार किया और पुलिस से रणनीतिक, सावधान, अनुकूलनीय, विश्वसनीय और पारदर्शी बनने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को डिजिटल धोखाधड़ी, साइबर अपराध और कृत्रिम चिंता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने भुवनेश्वर में पुलिस महानिदेशकों/महानिरीक्षकों के 59वें अखिल भारतीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए पुलिस आरक्षियों के कार्यभार को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग का आह्वान किया।

अजित पवार उपमुख्यमंत्री बनने के लिए तैयार, बस भाजपा तय कर ले अपने सीएम का चेहरा

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। सोमवार 3 दिसंबर को भाजपा में महाराष्ट्र में विधायक दल के नेता का चुनाव कर लेगी। तीन दिसंबर को भाजपा के दो आब्जर्वर मुंबई जाएंगे और इसी दिन विधायक दल के नेता की घोषणा हो जाएगी। इसके बाद 5 दिसंबर को नई सरकार के शपथ ग्रहण होगा। महाराष्ट्र में नई सरकार का गठन जल्द हो जाएगा। एनसीपी(अजीत) के नेता अजित पवार छठवीं बार

उपमुख्यमंत्री बनने के लिए तैयार हैं। अजित पवार के करीबी नेता का कहना है कि दिल्ली में महायुति के नेताओं की बैठक हुई थी। एनसीपी का स्टैंड बिल्कुल साफ है और भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री के चेहरे पर निर्णय लेने के बाद राज्य में सरकार के गठन की शुरुआत हो जाएगी माना जा रहा है कि सोमवार 3 दिसंबर को भाजपा में महाराष्ट्र में विधायक दल के नेता का चुनाव कर लेगी। तीन दिसंबर को भाजपा के दो आब्जर्वर मुंबई जाएंगे और इसी दिन विधायक दल के नेता की घोषणा हो जाएगी। इसके बाद 5 दिसंबर को नई सरकार के शपथ ग्रहण होगा। नए मुख्यमंत्री के तौर पर शिंदे सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे देवेंद्र फणडवीस का नाम सबसे आगे चल रहा है। महाराष्ट्र ओबीसी बाहुल्य राज्य है। जबकि देवेंद्र फणडवीस ब्राह्मण चेहरा हैं। इसलिए भाजपा के रणनीतिकार बहुत सोच समझकर महाराष्ट्र की भावी सरकार का खाका तैयार कर रहे हैं।कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे दिल्ली से मुबई लौटने के बाद अपने गांव सातारा चले गए थे। जबकि जिस दिन मुख्यमंत्री सतारा गए, उस दिन महायुति के महाराष्ट्र के नेताओं की बैठक प्रस्तावित थी। इसे मुख्यमंत्री एक नाथ शिंदे की नाराजगी से जोड़कर देखे जाने की चर्चा है।

10 उग्रवादियों समेत 12 कुकी लोगों का अंतिम संस्कार 5 दिसंबर को, बवाल की आशंका, पुलिस मुस्तैद

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। जिरीबाम और सीआरपीएफ के साथ गोलीबारी में मारे गए 10 लोगों समेत 12 कुकी

समुदायों के पुरुषों का अंतिम संस्कार 5 दिसंबर को चुराचांदपुर जिले में किया जाएगा। अंदाजा लगाया जा रहा है कि अंतिम संस्कार के दौरान एक बार फिर बवा हो सकता है।जिरीबाम में सीआरपीएफ के साथ गोलीबारी में मारे गए 10 लोगों समेत 12 कुकी समुदायों के पुरुषों का अंतिम संस्कार 5 दिसंबर को चुराचांदपुर जिले में किया जाएगा। अंदाजा लगाया जा रहा है कि अंतिम संस्कार के दौरान बड़े बवाल की आशंका है, जिसको देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रहने वाली है।समुदाय के प्रमुख संगठन इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने शनिवार को एक आपात बैठक की। बैठक के बाद घोषणा कर बताया गया कि शोक संवेदना का कार्यक्रम तुईबुओंग के पीस ग्राउंड में होगा। इससे पहले आईटीएलएफ ने फैसला किया था कि अंतिम संस्कार तब तक नहीं किया जाएगा जब तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट परिवारों को नहीं सौंप दी जाती।इसके साथ ही संगठन ने कहा कि वह मृतकों से जुड़े कानूनी मामलों को लगातार आगे बढ़ाता रहेगा। वहीं आईटीएलएफ ने यह भी निर्णय लिया कि अंतिम संस्कार के दिन एक विशाल मौन रैली आयोजित की जाएगी। मणिपुर सरकार ने रविवार को राज्य के 9 जिलों में मोबाइल इंटरनेट का निलंबन 3 दिसंबर तक बढ़ा दिया। गृह विभाग की ओर से जारी एक आदेश में कहा गया है कि निलंबन को इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, काकचिंग, बिष्णुपुर, थौबल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी, फेरजावल और जिरीबाम में बढ़ाया गया है।इसमें कहा गया है कि राज्य सरकार ने मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए मोबाइल इंटरनेट और मोबाइल डाटा सेवाओं का निलंबन जारी रखने का निर्णय लिया है। इस दौरान इन जिलों में वीसैट और वीपीएन सेवाओं पर भी प्रतिबंध जारी रहेगा।

सूर्य के रहस्यों से पर्दा उठाने में जुटे कई देश, इसरो निभाएगा अहम भूमिका

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। प्रोबा-3 मिशन में लॉन्च सैटेलाइट कृत्रिम सूर्यग्रहण की स्थितियां बनाएंगे ताकि सूर्य की बाहरी परत यानी कोरोना का अध्ययन किया जा सके। इन जुड़वां सैटेलाइट में से एक पर कोरोनाग्राफ होगा जबकि दूसरे पर

ऑल्टर होगा।भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक बार फिर इतिहास रचने की तैयारी में है। मौका होगा सूर्य के रहस्यों के पर्दा उठाने को तैयार मशिन प्रोबा-3 को लॉन्च करने का। इस अभियान में कई देशों के वैज्ञानिक शामिल हैं और उनके मिशन को लक्ष्य तक पहुंचाने का सारा दारोमदार इसरो के सबसे भरोसेमंद पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल यानी पीएसएलवी पर टिका है।इसरो की तरफ से रविवार को बताया कि गया कि यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के प्रोबा-3 मिशन को 4 दिसंबर को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्पेसपोर्ट से लॉन्च किया जाएगा। प्रोबा-3 की लॉन्चिंग इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) के सहयोग से होने वाली है। इसे बुधवार को शाम चार बजकर आठ मिनट पर छोड़ा जाएगा।इसके साथ ही इसरो ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि इस मिशन के जरिये 550 किलोग्राम वजनी उपग्रहों को एक अद्वितीय अत्यधिक अंडाकार कक्षा में स्थापित किया जाना जो किसी जटिल कक्षा में सटीक लॉन्चिंग की पीएसएलवी की विश्वसनीयता को मजबूत करेगा। यूरोपीय एजेंसी को अपने इस मिशन के तहत सूर्य के वायुमंडल की सबसे बाहरी और सबसे गर्म परत, सौर कोरोना का अध्ययन करना है।प्रोबा-3 मिशन में लॉन्च सैटेलाइट कृत्रिम सूर्यग्रहण की स्थितियां बनाएंगे ताकि सूर्य की बाहरी परत यानी कोरोना का अध्ययन किया जा सके।

भारत के प्रयासों से पिछले कुछ वर्षों में एचआईवी महामारी का स्तर कम हुआ, स्वास्थ्य मंत्री का बयान

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्रालय ने आंकड़ा जारी किया, जिसमें कहा गया कि मिजोरम और नगालैंड में वयस्कों में एचआईवी का प्रसार

उच्च बना हुआ है, इसके बाद मणिपुर का स्थान है। इसके अलावा, पंजाब में बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय है।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने रविवार को कहा, भारत के सतत प्रयासों से पिछले कुछ वर्षों में एचआईवी महामारी का स्तर कम हुआ है, 2023 में देश में नए संक्रमण 2010 की तुलना में लगभग 44 प्रतिशत कम हैं, जबकि एड्स से संबंधित मौतों में 79 प्रतिशत की कमी आई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने एड्स के खिलाफ लड़ाई को लेकर लोगों के लिए तीन महत्वपूर्ण निर्देशों पर जोर दिया। पहला, उन्होंने एचआईवी/एड्स संक्रमण को रोकने के लिए सावधानी बरतने के महत्व पर जोर दिया भारत एचआईवी अनुमान 2023 - तकनीकी रिपोर्ट, रोकथाम प्रगति अद्यतन 2023-2024 (चौथा संस्करण) के अनुसार, कम प्रसार के बावजूद, भारत में अभी भी एचआईवी का एक महत्वपूर्ण बोझ है, जिसमें 2023 में अनुमानित 25.44 लाख एड्स रोगी हैं। 15 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं में इसका बोझ 44 प्रतिशत है, जबकि लगभग 3 प्रतिशत मामले बच्चों में हैं। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना समेत अन्य राज्यों में वयस्कों में इसका प्रसार अनुमानित रूप से 0.4 प्रतिशत से अधिक है (राष्ट्रीय प्रसार 0.2 प्रतिशत है)। इस बीच, मध्य प्रदेश में आयोजित एक समारोह में बोलते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भारत ने एड्स से निपटने के लिए ठ90-90-90ठ लक्ष्य अपनाया है, जिसमें देश में एड्स के 90 प्रतिशत मामलों का पता लगाने, 90 प्रतिशत लोगों का एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) से इलाज करने और 90 प्रतिशत लोगों के वायरल लोड को दबाने का लक्ष्य शामिल है। मंत्री ने कहा कि बाद में इस लक्ष्य को बढ़ाकर 95-95-95 कर दिया गया, जिनमें से 81 प्रतिशत एड्स पीड़ित लोगों की पहचान कर ली गई है, 88 प्रतिशत को एआरटी दिया जा रहा है और 97 प्रतिशत पहचाने गए लोगों के वायरल लोड को दबा दिया गया है। भारत एचआईवी अनुमान 2023 - तकनीकी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में, एचआईवी का प्रसार और घटना उप-आबादी में अच्छी तरह से स्थापित है, जिसमें महिला यौनकर्मी (एफएसडब्ल्यू), पुरुषों के साथ यौन संबंध रखने वाले पुरुष (एमएसएम), नशीली दवाओं का इंजेक्शन लगाने वाले लोग (पीडब्ल्यूआईडी), ट्रांसजेंडर (एच/टीजी) व्यक्ति और जेलों और अन्य बंद स्थानों (पीएंडओसीएस) में रहने वाले लोग शामिल हैं।

जब तक कुछ हाथों में ही पैसा रहेगा, तरक्की नहीं हो सकती'

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था तब तक तरक्की नहीं कर सकती, जब तक इसका फायदा सिर्फ गिने-चुने अरबपतियों

को मिल रहा हो और किसान, मजदूर, मध्यमवर्ग और गरीब तरह-तरह की आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हों।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को भारत की जीडीपी विकास दर के दो साल के न्यूनतम स्तर पर पहुंचने पर चिंता जताई और कहा कि जब तक कुछ अरबपति ही इसका लाभ उठाते रहेंगे, तब तक देश की अर्थव्यवस्था की तरक्की नहीं हो सकती। राहुल गांधी ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था के लिए नई सोच की जरूरत है और कारोबार के लिए एक नया समझौता उसका महत्वपूर्ण हिस्सा है। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भारत की जीडीपी वृद्धि दर दो साल में सबसे नीचे 5.4 फीसदी पर आ गई है। बात साफ है- भारतीय अर्थव्यवस्था तब तक तरक्की नहीं कर सकती, जब तक इसका फायदा सिर्फ गिने-चुने अरबपतियों को मिल रहा हो और किसान, मजदूर, मध्यमवर्ग और गरीब तरह-तरह की आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हों। तथ्यों पर नजर डालिए, देखिए स्थिति कितनी चिंताजनक है। उन्होंने आगे लिखा, खुदरा महंगाई दर बढ़कर 14 महीने के उच्चतम स्तर 6.21 फीसदी पर पहुंच गई है। पिछले साल अक्तूबर की तुलना में इस वर्ष आलू और प्याज की कीमत लगभग 50 फीसदी बढ़ गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अधिग्रहित की गई भूमि के मुआवजे की दर बढ़ाएं, हाईकोर्ट का फैसला पलटा

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। अपीलकर्ता के वकील की ओर से कहा गया कि ऐसी भूमि जो रिफाइनरी के नजदीक नहीं है, उसके लिए 15 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से मुआवजा दिया गया है। वहीं, अपीलकर्ताओं की जमीन रिफाइनरी के ठीक सामने है। इसके बाद भी मुआवजा मात्र 1.93 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को मथुरा में रिफाइनरी के लिए 47 साल पहले अधिग्रहित की गई 263.05 एकड़ भूमि के लिए मुआवजे की दर

बढ़ाने का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने यूपी सरकार के अपीलकर्ताओं की भूमि को कृषि भूमि मानकर मिट्टी के प्रकार के आधार पर मुआवजा देने के फैसले को खारिज कर भूमि मालिकों को 1.93 रुपये की बजाय 15 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से मुआवजा देने का आदेश दिया। बता दें कि 5 फरवरी, 1977 की अधिसूचना द्वारा ग्राम अन्नानपुरा, तहसील एवं जिला मथुरा की 263.05 एकड़ भूमि नियोजित औद्योगिक विकास के लिए उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकासनिगम के लिए अधिग्रहित की गई थी। 13 मई, 1977 को भूमि का कब्जा लिया गया। विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी ने 30 अगस्त, 1980 को मिट्टी की गुणवत्ता के आधार पर मुआवजा निर्धारित किया। इस मामले में अनेक सिंह आदि द्वारा दायर अपीलों को स्वीकार करते हुए जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने 22 जनवरी, 1977 को कलेक्टर मथुरा द्वारा जारी आदेश की ओर ध्यान दिलाया, जिसमें बताया गया था कि मथुरा रिफाइनरी के आसपास के एक किमी के दायरे में आने वाले क्षेत्रों की भूमि का मूल्यांकन 15 रुपये प्रति वर्ग मीटर निर्धारित किया गया है।अपीलकर्ता के वकील की ओर से कहा गया कि ऐसी भूमि जो रिफाइनरी के नजदीक नहीं है, उसके लिए 15 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से मुआवजा दिया गया है। वहीं, अपीलकर्ताओं की जमीन रिफाइनरी के ठीक सामने है। इसके बाद भी मुआवजा मात्र 1.93 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से दिया गया। अपीलकर्ताओं ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में भी याचिका दाखिल की थी। लेकिन, हाईकोर्ट ने 30 अप्रैल 2019 को सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को खारिज कर कहा कि अपीलकर्ता सभी वैधानिक लाभों के साथ-साथ दी गई राशि पर ब्याज के भी हकदार होंगे। कोर्ट ने कहा है कि भुगतान आठ सप्ताह की अवधि के भीतर किया जाना चाहिए।

शिवसेना 90-100 सीटें जीत लेती अगर अजित पवार की एनसीपी शिंदे गुट के विधायक ने किया बड़ा दावा

(आधुनिक समाचार नटवेक)
महाराष्ट्र । महाराष्ट्र में फिलहाल महायुति गठबंधन सरकार गठन की रुपरेखा बना रही है। इन सबके बीच घटक दल के नेताओं की तरफ से बयानबाजी का भी

दौर जारी है। जिसमें शिंदे गुट के विधायक ने अजित पवार के एनसीपी को लेकर बड़ा दावा किया है।शिवसेना विधायक गुलाबराव पाटिल ने रविवार को कहा कि अगर अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी महायुति का हिस्सा नहीं होती तो एकनाथ शिंदे की पार्टी 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में 90-100 सीटें जीत सकती थी। महायुति में भाजपा, शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की राकांपा शामिल हैं। अजित पवार पिछले साल जुलाई में शिंदे सरकार में शामिल हुए थे और उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया गया था। गुलाबराव पाटिल ने एक क्षेत्रीय समाचार चैनल से बातचीत में कहा, हमने केवल 85 सीटों पर चुनाव लड़ा था। अजित दादा के बिना हम 90-100 सीटें जीत सकते थे। शिंदे ने कभी नहीं पूछा कि अजीत पवार की पार्टी राकांपा को उनकी सरकार में क्यों शामिल किया गया। बता दें कि महाराष्ट विधानसभा चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए गए थे, जिसमें महायुति ने राज्य की 288 सीटों में से 230 सीटें जीतकर जीत दर्ज की थी। भाजपा 132 सीटों के साथ सबसे आगे थी, उसके बाद एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 57 और अजित पवार की राकांपा को 41 सीटें मिलीं। वहीं राज्य में सरकार गठन पर बोलते हुए शिवसेना विधायक ने कहा कि कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नाराज नहीं हैं।

प्रसार निदेशालय, शुआट्स द्वारा जनपद दरभंगा बिहार के चयनित कृषकों का कृषि तकनीकी प्रबन्ध अभिकरण आत्मा

(आधुनिक समाचार नटवेक)

प्रयागराज। प्रसार निदेशालय, शुआट्स द्वारा जनपद दरभंगा बिहार के चयनित कृषकों का कृषि तकनीकी प्रबन्ध अभिकरण आत्मा घटक का पांच दिवसीय राज्य के बाहर कृषक प्रशिक्षण-सह-परिभ्रमण कार्यकम का समापन आज दिनांक 01.02.2024 को किया गया। समापन सत्र मे कार्यकम की अध्यक्षता कर रहे निदेशक प्रसार डा0 पवीन चरन ने कृषकों को श्रीअन्न की महत्ता एवं उपयोगिता के बारे मे मार्गदर्शित करते हुए कहा कि श्रीअन्न फसलें स्वास्थ्यवर्धक, पौष्किता से भरपूर होती है तथा अन्य अनाजो की तुलना मे काफी कम होता है जिसकी वजह से यह मधुमेह रोगो के लिए एक आदर्श खाद्य पदार्थ है। मोटे अनाज की फसलें सूखा सहिष्णु होती है अतः इसे शुष्क एवं निर्जल जलवायु मे भी उगाया जा सकता है। देश मे श्रीअन्न फसलों मे अधिकतर केवल ज्वार एवं बाजरा का ही उत्पादन लिया जाता है जबकि कोदों, रागी, चीना, कंगनी, कुटकी आदि श्रीअन्न फसलों के वैज्ञानिक उत्पादन पर केन्द्रित था अपितु फस्प्रसंस्करण के द्वारा लघु उद्योग स्थापित करने का प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया जिससे विभिन्न सरकारी योजनाओं के माधयम से कृषक गृह स्तर पर लधु उद्योग स्थापित कर आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकते है। समापन समारोह मे मुख्य अतिथि के रुप मे उपस्थित विश्वविद्यालय के पति कुलपति डा0 विश्वरुप मेहरा ने कृषकों को वैज्ञानिक उत्पादन एवं मूल्य संवर्द्धन के पति प्रोत्साहित करते हुए कहा

कि हमारे देश मे एशिया का लगभग 80 पतिशत और विश्व का 20 प्रतिशत मोटा अनाज पैदा होता है इन फसलों मे रोग भी कम लगते है तथा कीटनाशकों का उपयोग भी न के बराबर होता है चूॅकि यह असिंचित भूमि पर आसारनी से हो सकती है अतः मांग बढने पर भारतवर्ष मे इसकी पैदावार कई गुना बढायी जा सकती है। भारत की कुल कृषि भूमि मे 20-30 फीसदी ही सिंचित भुमि है। अतः जब श्रीअन्न की मांग बढेगी तो बाजार मे इसका दाम बढेगा औश्र असिंचित भूमिवाले कृषकों की आय मे भी बढोत्तरी होगी, इसलिए वर्तमान समय में श्रीअन्न फस्लों के उपभोग को बढावा देने का कार्यक्रम देश एवं प्रदेश स्तर पर किया जा रहा है तथा यह पशिक्षण न सिर्फ कृषेको के समक्ष वैज्ञानिक उत्पाद को बढावा देगा बल्कि प्रसंस्कृत उत्पादों के विपणन को भी प्रोत्साहित करेगा। इस अवसर पर उन्होनें विश्वविद्यालय द्वारा संचालित बांस संवर्द्धन परियोजना एवं ड्रैगन फ्रूट की खुती एवं लाभ के विषय मे कृषकों के समक्ष चर्चा की। प्रसार निदेशालय की महिला उत्प्रेरक श्रीमती मीना नेथन ने प्रशिक्षणाथी कृषकों को श्रीअन्न फस्सलों के प्रसंस्कृत उत्पाद गृह एवं व्यवसायिक स्तर पर तैयार करने का हस्त प्रशिक्षण प्रदान किया तथा कृषकों से सांवा की खीर, रागी की मठरी एवं बाजरा की पकौडे तैयार करने की प्रयोगात्क प्रशिक्षण प्रदान किया। पशुपालन विभाग के वैज्ञानिक डा0 रामपाल सिंह ने इस अवसर पर कृषकों को पशुओं मे होने वाले विभिन्न रोग एवं पोषक तत्वों की कमी के कारण कम दुग्ध उत्पादन के कारणों पर चर्चा की तथा निदान कृषकों को बताया। उन्होनें पशुओं की नस्ल सुधार पर चर्चा करते हुए बताया कि नस्ल सुधार करके दुग्ध उत्पादन को बढाया जा सकता है यदि अच्छी किस्म के सांड उपलब्ध न हो तो कृत्रिम गर्भाधान द्वारा पशुओं को गर्भित कराकर अच्छी नस्ल के पशु बनाये जा सकते है। आगे उन्होने बताया कि अच्छा उत्पादन के लिए अच्छ एवं संतुलित पशु आहार देना चाहिए जिससे पशुओं से अच्छा दुग्ध उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। जानलेवा बीमारियो से बचने के लिए पशुओ मे खुरपका एवं मुहपका, लंगडी बुखार एवं गलाघोटू बीमारी से बचाप के लिए अपने पशुओं को टीकाकरण अवश्य करायें। संक्रमित बीमारियों से बचाव करते रहे जिससे कि पशुओं में संक्रामक बीमारियो का प्रकोप ना होन पाये। पशु स्वास्थ्य अच्छा रखने के लिए पशुओं को साफ-सुथरे एवं हवादार बाडो में रखें तथा संतुलित आहार दें। प्रशिक्षणण समन्वयक डा0 मनीष कुमार केसरवानी ने बताया कि कृषकों को श्रीअन्न फसलों की उन्नतशील खेती, बीज उत्पादन तकनीकियां तथा श्रीअन्न के प्रसंस्कृत उत्पाद को तैयार करने के साथ-साथ उन्हें खेती-बारी एवं पशुपालन से जुडी हुई सभी विधाओं मे प्रशिक्षित करने का प्रयास वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है एवं कृषकों को चाहिए कि इन तकनीकियों का वे भरपूर कर अपने को अधिक सक्ष्द्राम व सम्पन्न बनाने हेतु आगे बढ सके। समापन कार्यकम के अन्तिम चरण में निदेशक प्रसार एवं मुख्य अतिथि के कर-कमलो द्वारा किसानों को प्रमाण-पत्र, प्रशिक्षण साहित्य एवं बैग इत्यादि का वितरण किया गया। प्रशिक्षण के अंत में पशिक्षण समन्वयक डा0 मनीष कुमार केसरवानी ने प्रशिक्षण मे सहभागिता करने वाले कृषकों एव प्रसार निदेशालय के सभी वैज्ञानिकों के पति धन्यवाद ज्ञापित किया। समापन अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, पयागराज के वरिष्ठ वैज्ञानिक व हेड डा0 मुकेश पी0 मसीह, प्रसार निदेशालय के समन्वयक डा0 अरुण यादव तथा वैज्ञानिकगण डा0 योगेश चन्द्र श्रीवास्तव, डा0 सरवेन्द्र कुमार, डा0 शैलेन्द्र कुमार सिंह एवं मदन सेन सिंह आदि सम्मिलित रहे।

ज्ञानवापी की रक्षा के लिए महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं ने औरंगजेब की सेना को किया था परास्त

(आधुनिक समाचार नटवेक)

प्रयागराज। महानिर्वाणी अखाड़े की स्थापना 16वीं शताब्दी में हुई थी। अखाड़े में 10 हजार से अधिक नागा संन्यासियों का दल है। 1774 में ज्ञानवापी की रक्षा के लिए औरंगजेब की सेना के साथ महानिर्वाणी के नागाओं ने युद्ध किया था। महानिर्वाणी अखाड़े के नागा साहस और पराक्रम के लिए जाने जाते हैं। अटल और आवाहन अखाड़े के संतों ने मिलकर धर्म की रक्षा के लिए महानिर्वाणी अखाड़े के रूप में अस्त्र- शस्त्र संचालन में निपुण नागाओं की सेना 16वीं शताब्दी के अंत में तैयार की।सनातन धर्म के प्रतीक मठ-मंदिरों, तीर्थों को मुगल आक्रांताओं के हमले से बचाने के लिए महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं का शौर्य हमेशा याद रखा जाएगा। काशी में ज्ञानवापी की रक्षा के लिए वर्ष 1774 में महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं ने औरंगजेब की सेना और मनसबदारों के साथ युद्ध कर परास्त किया था। यही वजह है कि दशनामी संन्यासियों की परंपरा में महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं को वीर की उपाधि दी गई है। इस अखाड़े के नागा साहस और पराक्रम के लिए जाने जाते हैं। अटल और आवाहन अखाड़े के संतों ने मिलकर धर्म की रक्षा के लिए महानिर्वाणी अखाड़े के रूप में अस्त्र- शस्त्र संचालन में निपुण नागाओं की सेना 16वीं शताब्दी के अंत में तैयार की। बीएसएम स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुड़की के प्राचार्य रहे डॉ. रामचंद्र पुरी ने दशनाम नागा संन्यासियों पर किए अपने शोध में इसका

उल्लेख किया है। लिखते हैं कि महानिर्वाणी अखाड़े की स्थापना 16वीं शताब्दी के अंत में बिहार के हजारीबाग स्थित गढ़कुंडा के मैदान में हुई थी। तब सिद्धेश्वर महादेव मंदिर के परिसर में काल भैरव और गणेश जी के छत्रों के ऊपर अखाड़े के गुरु कपिल महामुनि का छत्र रखते हुए सनातन धर्म का ध्वज ऊंचा करने के लिए पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी की स्थापना की गई। उस समय महानिर्वाणी अखाड़े के आठ संस्थापक सदस्य अटल अखाड़े से जुड़े थे। इनके अलावा कुछ संतों का संबंध आवाहन अखाड़े से था। यानी अटल और आवाहन अखाड़े के तपस्वियों ने मिलकर सनातन संस्कृति के प्रतीकों को नष्ट करने वाली मुगलों की सेना से लड़ने के लिए आवाहन अखाड़ा बनाया। अखाड़े के सचिव श्रीमहंत यमुनापुरी बताते हैं कि मौजूदा समय महानिर्वाणी परंपरा के 10 हजार संन्यासी हैं। औरंगजेब के निर्देश पर उसकी सेना ने 1771 में गढ़कुंडा पर आक्रमण कर उसे अपने अधीन कर लिया। उसी समय औरंगजेब की सेना काशी में मठों-मंदिरों को तोड़कर वहां मस्जिदों का निर्माण करा रही थी। औरंगजेब के काशी में हमले की जानकारी मिलने के बाद महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं ने 1774 में उसकी सेना से भीषण युद्ध किया। दशनाम नागा संन्यासी एवं श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा नाम पुस्तक में महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं की ओर से लड़े गए ज्ञानवापी समेत तीन युद्धों का जिक्र है। इस पुस्तक में कहा गया है कि औरंगजेब ने 1974 में अपने सेनापति मिर्जा अली तुरंग खां और अब्दुल अली को विशाल सेना के साथ काशी के ज्ञानवापी और विश्वनाथ मंदिर पर आक्रमण के लिए भेजा। तब उनके साथ हिंदू मनसबदार राजा हरिदास केसरी और नरेंद्र दास भी थे औरंगजेब की सेना के हमले के भय से काशी में हाहाकार मच गया। जिन हिंदू राजाओं से सनातन धर्म की रक्षा की आशा थी, वह भी आक्रमणकारियों से घिर कर भयभीत हो गए थे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

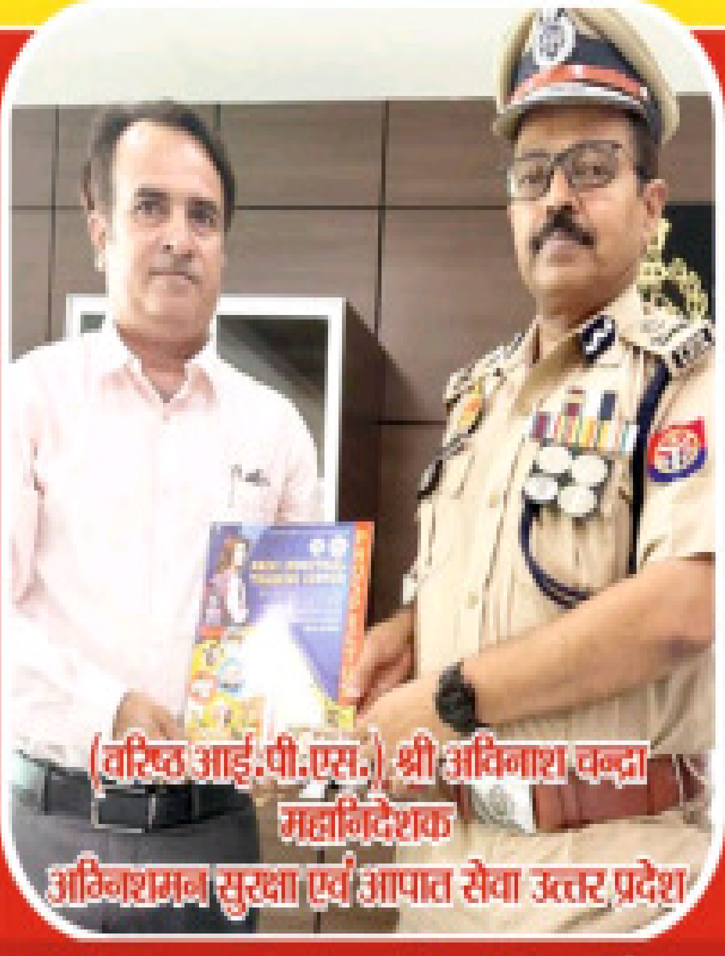

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

प्रदेश आस/पास

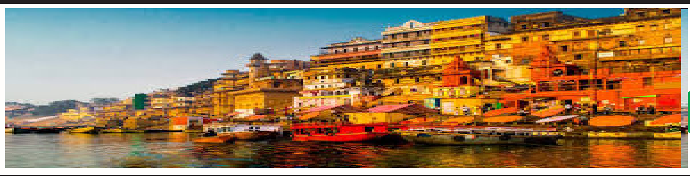

भारत

वाराणसी, रायबरेली

विहंगम योग संत समाज के शताब्दी समारोह में आएंगे सीएम योगी, स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ में होंगे शामिल

(आधुनिक समाचार नटवेक)
वाराणसी। वाराणसी में विहंगम योग संत समाज का शताब्दी समारोह आगामी छह और सात

दिसंबर को होगा। इस समारोह में सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होंगे। समारोह को लेकर डीएम ने स्वर्वेद मंदिर स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। विहंगम योग संत समाज का शताब्दी समारोह आगामी छह और सात दिसंबर को होगा। इस दौरान 25 हजार कुंडीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ होगा। शताब्दी समारोह में बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सात दिसंबर को आएंगे। इसके मद्देनजर जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। रविवार को डीएम के साथ अपर पुलिस आयुक्त डॉ. एस. चन्नप्पा, उपायुक्त वरुणा जोन चंद्रकांत मीणा, एसीपी सारनाथ अतुल अंजान त्रिपाठी ने स्वर्वेद मंदिर स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री सात दिसंबर को 25 हजार कुंडीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ में शामिल होने के साथ संत प्रवर विज्ञान देव महाराज के निर्देशन में संचालित सद्गुरु सदाफल देव आप्त वैदिक गुरुकुलम के नवविस्तार का उद्घाटन भी करेंगे। इसमें 300 विद्यार्थियों के लिए निशुल्क आवासीय व्यवस्था है। वैदिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक तकनीक, खेलकूद, मलखंभ आदि समस्त विषयों की शिक्षा मिलती है। गुरुकुल सहित पूरे आयोजन स्थल का अधिकारियों ने निरीक्षण किया। इस दोरान सिंचाई विभाग और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी भी मौजूद रहे। इस साल वाराणसी को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने में सर्वश्रेष्ठ जिला चुना गया है। इसी श्रेणी में डीएम एस राजलिंगम को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सम्मानित करेंगे। इसके अलावा गैर-व्यावसायिक श्रेणी में पुनर्वास सेवाओं में योगदान के लिए नई सुबह संस्था (वाराणसी) और सर्वश्रेष्ठ नवीन अनुसंधान के लिए जन विकास समिति (वाराणसी) को पुरस्कृत किया जाएगा। महिला श्रेणी में रीतू पटेल (वाराणसी) को भी पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। वाराणसी ने प्रदेश का पहला ऐसा जिला रहा, जिसने दिव्यांगों के लिए टी-20 मैच का आयोजन भी किया था। इसके अलावा अन्य सभी बिंदुओं में वाराणसी पहले स्थान पर रहा। सरकार की ओर से विश्व दिव्यांग दिवस को लोकभवन सभागार में राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में उत्कृष्ट दिव्यांग व्यक्तियों, दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्य करने वाले विशिष्ट व्यक्तियों, स्वैच्छिक संगठनों और दिव्यांग खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। सभी को मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप सम्मानित करेंगे।

आधी रात में बार खोलने का दबाव डाल रहे थे दबंग, मना करने पर कर्मचारी को पीटा

(आधुनिक समाचार नटवेक)
वाराणसी। वाराणसी में दबंगों का हौसला इस कदर बढ़ा है कि आधी रात में बार पहुंचकर कर्मचारी पर बार खोलने का दबाव डालने लगे। मना करने पर उसकी पिटाई कर दी। वाराणसी जिले में दबंगों के हौसले बुलंद हैं। यही वजह है कि सिगरा थाने के सामने स्थित एक बार के कर्मचारी को दबंगों ने पीट दिया। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। उधर, घटना का सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हो गया है। बताया जा रहा है कि

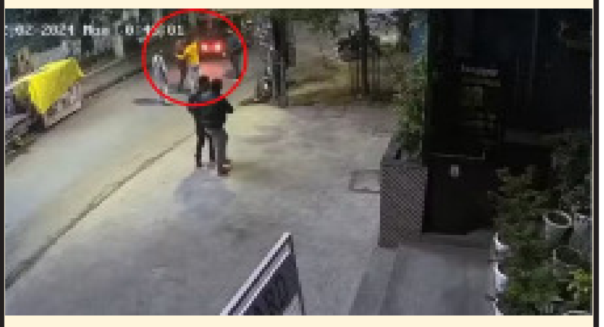

सिगरा थाने के सामने स्थित बार में रविवार की आधी रात में दबंग युवक पहुंचे और बार खोलने के लिए जबरदस्ती करने लगे। इस पर कर्मचारी द्वारा बार न खोलने की बात कही गई तो दबंगों की नाराजगी बढ़ गई। इस दौरान उन्होंने कर्मचारी की पिटाई कर दी।

हाईवे पर बच्चों से भरी बोलेरो की कार से भिड़ंत, चालक समेत कई बच्चे घायल

(आधुनिक समाचार नटवेक)
वाराणसी। सोमवार की सुबह जौनपुर-आजमगढ़ हाईवे पर सड़क हादसा हुआ, जिसमें स्कूली बच्चों में बोलेरो का चालक और उसमें सवार बच्चे घायल हो गए। घटना की जानकारी होते ही बच्चों के परिजन भी मौके पर पहुंचे। स्कूल

समेत ड्राइवर भी घायल हुआ। हादसा तेज रफ्तार बोलेरो की कार से भिड़ंत के चलते हुआ। आजमगढ़ जिले के बरदह थाना क्षेत्र के जौनपुर-आजमगढ़ हाईवे पर जीवली स्थित पेट्रोल पंप के पास सोमवार की सुबह स्कूली बच्चों को लेकर जा रही बोलेरो की एक कार में पीछे से टक्कर हो गई। इस घटना प्रबंधक द्वारा दूसरे वाहन से बच्चों को इलाज के लिए जौनपुर भेजा गया। जानकारी के अनुसार महाजन चिल्ड्रेन चिल्ड्रेन एकेडमी स्कूल बरदह की बोलेरो जिवली, सकारामऊ और पिलखुआ गांव के लगभग 20 बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी। बोलेरो की रफ्तार काफी तेज थी। जैसे ही बोलेरो जीवली स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंची, सामने से जा रही स्विफ्ट डिजायर कार में पीछे से टकरा गई। इस घटना में सकारामऊ निवासी कक्षा 6 के छात्र राजवंत (10), कक्षा 8 की एंजल (12), कक्षा 4 की पीहू (09) समेत अन्य बच्चे और बोलेरो चालक घायल हो गए। दुर्घटना की जानकारी होते ही बच्चों के परिजन मौके पर पहुंचे। आसपास के लोगों की मदद से बच्चों को बोलेरो से निकाला गया। इसके बाद स्कूल के प्रबंधक महाजन जायसवाल ने दूसरी बस को मंगाया और बच्चों को इलाज के लिए जौनपुर भेजा। दुर्घटना में एक बच्चे का पैर टूटने की भी बात कही जा रही है। घटना की जानकारी होते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर थाने आई। थाना प्रभारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि जांच पड़ताल कर रहे हैं। बोलेरो चालक जिसमें बच्चे सवार थे, पीछे से कार को टक्कर मारा है। अभी तक किसी पक्ष से तहरीर नहीं मिली है।

शादी से वापस लौट थी युवती- मनचलों ने गली में खींचा

(आधुनिक समाचार नटवेक)
गोरखपुर। थाने में तहरीर देकर पीडिता परिवार के साथ गीडा थाना क्षेत्र के नगवां में एक शादी में शामिल होने गए थे, जयमाल की रश्म खत्म होने के बाद वह अपनी बहन और मामा के साथ घर वापस लौट रहे थे रास्ते में एक गली में नगवां गांव के निवासी दो मनचले युवकों कृपाशंकर और रोलू उर्फ मनीष सिंह ने उनकी बहन को पीछे से खींच लिया और छेड़खानी करने लगे तथा उसके होंठों को काट कर लहुलुहान

कर दिया। अपने भाई और मामा के साथ शादी में जयमाल की रश्म में शामिल होने के बाद अपने घर वापस लौट रही युवती को रास्ते में एक गली में जबरन खींच कर उसके साथ छेड़खानी करने और होठों को काट कर लहुलुहान करने वाले दो मनचले युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है थाना क्षेत्र के एक गांव के निवासी युवती के भाई ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि परिवार के साथ गीडा थाना क्षेत्र के नगवां में एक शादी में शामिल होने गए थे। जयमाल की रश्म खत्म होने के बाद वह अपनी बहन और मामा के साथ घर वापस लौट रहे थे।

छेड़खानी के आरोप में कोर्ट ने सुनाई 3 वर्ष कैद की सजा, 10 हजार रूपये अर्थदंड

(आधुनिक समाचार नटवेक)
वाराणसी। सोनभद्र कोर्ट ने नाबालिग से हुई छेड़छाड़ मामले में पाक्सो एक्ट के तहत दोषी को तीन

साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दस हजार का अतिरिक्त अर्थदंड भी लगाया है जिसके न देने की स्थिति में एक माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। बताते चलें कि साढ़े सात साल पहले 17 वर्षीय नाबालिग के साथ छेड़छाड़ के बाद मामला कोर्ट में चल रहा था जिस पर निर्णय दिया है। साढ़े सात वर्ष पूर्व 17 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए छेड़छाड़ के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश / विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट सोनभद्र अमित वीर सिंह की अदालत ने शनिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी कुबेर गोड़ को 3 वर्ष की कैद एवं 10 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 8 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक चोपन थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता ने 19 अगस्त 2017 को चोपन थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 18 अगस्त 2017 को 6:15 बजे शाम को स्कूल से पढ़कर अपने घर वापस लौट रही थी तभी घर से 500 मीटर दूर रास्ते में चोपन थाना क्षेत्र के कोटा टोला सनायडण्डी गांव निवासी कुबेर गोड़ पुत्र शोभनाथ मिला और उसे गाली देते हुए उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। शोरगुल की आवाज सुनकर कई लोग आ गए तो वह भाग गया। इस तहरीर पर पुलिस ने 19 अगस्त 2017 को एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में छेड़छाड़ और पाक्सो एक्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 7 गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी कुबेर गोड़ को 3 वर्ष का कारावास एवं 10 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 8 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

हे मां मेरा क्या गुनाह था जो यूं फेंक दिया झाड़ी में लावारिस मिला नवजात

(आधुनिक समाचार नटवेक)
गोरखपुर। सूत्रों ने बताया कि युवती की पहचान हो गई है। पुलिस ने युवती को पूछताछ के लिए थाने

बुलवाया है। पुलिस पता करने का प्रयास कर रहा है कि अविवाहित युवती और किसका ये नवजात शिशु है। नवजात के प्रजनन में कौन-कौन लोग शामिल थे। गोरखपुर के बांसगांव में एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। बांसगांव थानाक्षेत्र में रविवार की देर रात एक युवती(20) ने नवजात शिशु को जन्म दिया। लोक लज्जा के डर से युवती ने सोमवार की सुबह तड़के नवजात को गांव की झाड़ियों में फेंक दिया। लेकिन, किसी ने बच्चे के फेंकते देख लिया सूचना पर पहुंची पुलिस ने नवजात को पीएचसी भेजकर उसका उपचार शुरू करवाया है। सूत्रों ने बताया कि युवती की पहचान हो गई है। पुलिस ने युवती को पूछताछ के लिए थाने बुलवाया है। पुलिस पता करने का प्रयास कर रहा है कि अविवाहित युवती और किसका ये नवजात शिशु है। नवजात के प्रजनन में कौन-कौन लोग शामिल थे।गोरखपुर शहर में अभी कुछ महीनों पहले ऐसा ही एक मामले सामने आया था। बक्शीपुर की एक कॉलोनी में लावारिश नवजात शिशु को किसी ने फेंक दिया था। नगर निगम के कूड़ा साफ करने वाले ने इसे उठाकर एक जगह से दूसरी जगह फेंका।

दो माह पूर्व आदिवासी बस्ती का जला ट्रांसफार्मर रहवासी परेशान

(आधुनिक समाचार नटवेक)
सोनभद्र। ट्रांसफार्मर नहीं बदले जाने से अंधेरे में जीवन यापन करने को बाध्य आदिवासी बस्ती के लोग ङसोनभद्रङ। सोनभद्र नगवां ब्लॉक ग्राम पंचायत गोटी बांध के (डुमरिया) आदिवासी (मुसहर) बस्ती में लगा दस केवीए का ट्रांसफार्मर पिछले दो माह पूर्व जल गया जो अभी तक बदला नहीं गया जिससे आदिवासी बस्ती में निवास करनेवाले रहवासियों में विद्युत विभाग के प्रति रोष व्याप्त है । आदिवासी छटंकी ने कहा कि हम लोगों के बस्ती में लगा दस केवीए का ट्रांसफार्मर पिछले दो माह पूर्व जल गया कई बार इसकी सूचना स्थानीय विद्युत कर्मचारियों को दी गई पर बिजली विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की जिससे एक दर्जन से अधिक घरों में अंधेरा छा गया है। वही आदिवासी अतवारू ने कहा कि अगर यही ट्रांसफार्मर किसी नेता या जनप्रतिनिधि के बस्ती का जला होता तो अब तक बदल गया होता लेकिन हम सब मुसहर जाति के लोग है इस लिए अधिकारी कोई सुनवाई नहीं कर रहे है हम आदिवासी बस चुनाव के समय नेताओं को याद आते है खूब अपनेपन का दिखावा करते है नेता चुनाव बाद हम लोगों की कोई सुध लेने वाला नहीं है। आप को बता दें कि ये वही आदिवासी मुसहर है जिनको देश के प्रधानमंत्री ने गोद लिया है सरकारी योजनाओं में इनको वरीयता दी जाती है फिर भी बिजली विभाग की लापरवाही से बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं से आदिवासियों को वंचित किया जा रहा है।

धार्मिक परम्पराओं के बीच नवीनीकृत गिरिजाघर का हुआ उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नटवेक)
सोनभद्र। नगर के सिविल लाइन्स स्थित संत जेवियर्स चर्च के परिसर में रविवार को प्राचीन चर्च के नवीनीकृत होने के बाद इलाहाबाद धर्मप्रान्त के धर्माध्यक्ष विशप लुइस मस्करेनहस द्वारा विधिवत् उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम धर्माध्यक्ष विशप लुइस मस्करेनहस, पल्लि पुरोहित फा. लैन्सी जेवियर डि'कून्हा, सोनभद्र क्षेत्र के डीन फा. टाइटस लोबो, सि. फिलो जोश (यूएमआई), सि. सुनीता टोप्पो (बीएस) व पल्लिवासी जैफ्फी एरियल, सेरेना लुकस द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया। इसके बाद संचालिका जूली एरियल द्वारा आज के दिन के महत्त्व के साथ संत जेवियर्स मिशन के इतिहास के साथ-साथ संत जेवियर के जीवन पर प्रकाश डाला। संत जेवियर्स स्कूल की छात्राओं द्वारा इस अवसर पर एक सुन्दर स्वागत नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् प्रवेश नृत्य के साथ सभी धर्मावलम्बी नवीनीकृत चर्च के मुख्य द्वार की तरफ बढ़े, जहाँ धर्माध्यक्ष ने नारियल फोड़ने के बाद शिलापट्ट का अनावरण किया और नवीनीकृत संत जेवियर्स कैथोलिक चर्च के मुख्य द्वार का फीता काटकर सभी विश्वासियों व धर्मावलम्बियों के साथ चर्च में प्रवेश किया। चर्च में धर्माध्यक्ष द्वारा पवित्र जल छिड़काव कर प्रभु की आशीष वर्षा की गयी। उसके बाद विविध धार्मिक अनुष्ठानों के साथ पवित्र मिस्सा बलिदान एवं आशीष की विधि की गयी। जिसमें सहायक पल्लि पुरोहित फा. आल्बर्ट प्रवीण लोबो की भूमिका सराहनीय रही। परम प्रसाद एवं अंतिम आशीष के साथ समारोह का समापन हुआ। इस अवसर पर धर्मप्रान्त के विकर जनरल फा. रेजिनाल्ड डिसोजा, प्रयागराज से आये फा. इजिडोर डिसोजा, फा. विपिन, चुनार के फा. संतोष कुमार, मिर्जापुर के फा. जैकेब बोना, रिहन्द नगर के फा. बैप्टिस्ट डिसोजा, अनपरा के फा. सुनील मस्करेनहस, ओबरा के फा. प्रभु, धर्मबहनें सि. किरन जार्ज, सि. रजनी, सि. शैली मैथ्यू, सि. फ्रिस्का बरला, सि. अर्चना बास्तराय, सि. आइरिन इत्यादि के साथ कई पल्लियों से आए सैकड़ों धर्मावलम्बी व नगर के कई गणमान्य उपस्थित रहे।

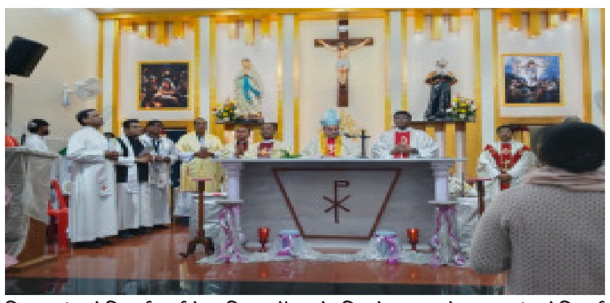

वादा के खिलाफ एसीसी गेट पर महिलाओं ने किया धरना प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नटवेक)
डाला सोनभद्र। चोपन थाना अंतर्गत सलइबनवा गांव में स्थित निजी कंपनी के गेट पर सोमवार की सुबह कुछ महिलाओं ने वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए गेट पर ही बैठकर कर्मचारियों को अंदर जाने से रोकने का मामला सामने आया हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार सलइबनवा गांव निवासी रीना पत्नी रमेश,गीता पत्नी रामअवध ,मंजू पत्नी लालचंद,अनीता पत्नी अवधेश,निर्मला पत्नी शिवनाथ और दुर्गावती पत्नी अनिल सोमवार की सुबह ही निजी कंपनी के तीनो गेट पर पहुंच कर बैठ गई जिससे गेट संख्या-1,गेट संख्या-2 और गेट संख्या-3 से कोई भी मजदूर और कर्मचारी काम हेतु कंपनी परिसर में नहीं जा सके और गेट पर ही भीड़ इकट्ठा होने लगी।मौके पर पहुंचे निजी कंपनी के अधिकारी द्वारा महिलाओं को समझाने का प्रयास भी किया गया लेकिन बात नहीं बनी।प्रकरण की जानकारी होते ही चोपन थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर महिलाओं को समझाने बुझाने और उनकी समस्या को सुनकर समाधान की बात कहने पर महिलाओं ने लिखित तहरीर के माध्यम से चोपन थाना प्रभारी ने न्याय की गुहार भी लगाई हैं।महिलाओं ने लिखित तहरीर में यह कथित आरोप लगाया कि निजी कंपनी द्वारा जमीन लेने के बाद हमें मकान और जमीन मिला हैं लेकिन ठेकेदार मंगल भारती व विकास चौबे द्वारा वादाखिलाफी करके कार्य पूर्ण रूप से नहीं किया गया जिसमें जमीन को दाखिल खारीज,बिजली,सड़क की व्यवस्था नहीं करवाया गया है जो पूर्ण करवाया जाना अति आवश्यक हैं।महिलाओं ने बताया कि जमीन लेने के बाद जो वादा किया गया था जिसमें मुख्य रूप से जो जमीन मिलेगी उसको दाखिल खारिज,सड़क निर्माण,बिजली की व्यवस्था करके देना था जो पुरा नही हुआ हैं कई बार इसके लिए शिकायत किया गया है लेकिन वादा करने के बाद भी काम पुरा नही होता है। हालांकि मौके पर पहुंची चोपन पुलिस के समझाने के बाद महिलाएं मान गई तथा तहरीर के माध्यम से आला अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई हैं।

थाना म्योरपुर पुलिस को मिला बड़ी सफलता, काफी दिनों से फरार चल रहे गैंगेस्टर एक्ट का वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नटवेक)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा अपराध एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी के पर्यवेक्षण में थाना म्योरपुर पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-113/24 धारा 3(1) गैंगे0 अधिनियम से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त तासीर अंसारी पुत्र स्वर्गीय सुलेमान अंसारी निवासी कुंदी, थाना बसंतपुर, जिला बलरामपुर, छत्तीसगढ़ को आज दिनांक 01.12.2024 को समय 12.00 बजे गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

गिरफ्तार अभियुक्त विवरण
1.तासीर अंसारी पुत्र स्वर्गीय सुलेमान अंसारी निवासी कुंदी, थाना बसंतपुर, जिला बलरामपुर, छत्तीसगढ़ ।

सड़क दुर्घटना में महिला की मौत परिजनों में हड़कम्प

(आधुनिक समाचार नटवेक)
सोनभद्र।सदर कोतवाली क्षेत्र के मारकुंडी घाटी परिसर स्थित मंदिर के समीप शनिवार दोपहर बाद 38 वर्षीय महिला का अज्ञात बाइक सवार के धक्के से हुई मौत। जानकारी के अनुसार आशा देवी पत्नी लालू यादव उम्र 38 वर्ष ग्राम सलखंन थाना चोपन जो किसी कार्य हेतु रावटसगंज आई हुई थी लौटते हुए मारकुंडी घाटी में स्थित मंदिर पर दर्शन पूजन करने गई थी वापस आकर वहां का इंतजार कर रही थी कि रावटसगंज वाराणसी शक्ति नगर मार्ग पर रावटसगंज की तरफ से आ रहे अनियंत्रित बाइक सवार द्वारा धक्का मार दिया गया आसपास के लोगों द्वारा जिला अस्पताल उपचार के लिए पहुंचाया गया जहां शिक्षकों ने देखते ही उन्हें अमृत घोषित कर दिया उधर उनके परिजन लालू यादव द्वारा पुलिस को एप्लीकेशन देकर मामले में अवगत कराकर अग्रिम कार्रवाई में जुटे।

भवानीपुर में प्लास्टिक फ्री अभियान का डीपीआरओ ने किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नटवेक)
सोनभद्र। जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण के द्वारा शुरू किए गए प्लास्टिक फ्री पंचायत अभियान का असर अब दिखाना शुरू हो गया है आज 5 दिन में 61 ग्राम पंचायत से लगभग 3160 किलो प्लास्टिक एकत्र किया गया तथा 23322 घरों के सापेक्ष 4578 घरों पर बोरिया टांगी जा चुकी है। चार घर का नंबर दिया गया है जिससे कि यह पता चल सके कि कितने घरों पर बोरिया टांगी जा चुकी हैं जिसका डीपीआरओ ने प्रशंसा किया। जनपद में इन 61 ग्राम पंचायत में कुल 23322 घर है जिसमें से अभी तक 4578 घरों पर बोरिया टांगी जा चुकी है। जिला पंचायत अधिकारी नामित शरण ने खुद एक घर पर बोरी टांग कर इस अभियान

चरणों में चलाए जा रही इस अभियान में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 61 ग्राम पंचायत का चयन किया गया था। ग्राम पंचायत के प्रधान और कर्मचारियों के प्रशिक्षण के उपरांत गांव में प्रधान के नेतृत्व में सफाई कर्मी एवं गांव के लोगों के द्वारा बिखरे हुए प्लास्टिक बिनकर इकट्ठा किया जा रहा है। द्वितीय चरण में लोगों द्वारा अपने घर पर प्लास्टिक की बोरी टांग कर उसी में प्लास्टिक रखा जा रहा है। उक्त के क्रम में आज ग्राम पंचायत भवानीपुर में प्लास्टिक फ्री अभियान का निरीक्षण जिला पंचायत अधिकारी नामित शरण द्वारा किया गया जिसमें उनके द्वारा घर-घर जाकर लोगों को जागरूक किया गया तथा गांव के लोगों से यह आह्वान किया गया कि अपना प्लास्टिक आप इसी बोर में रखें हमारे सफाई कर्मी ई रिक्शा के माध्यम से यह प्लास्टिक आपके बोर में से कलेक्ट कर आर आर सी केंद्र पर इकट्ठा कर लेंगे। जिससे कि यह प्लास्टिक हमारे खेतों, नालियों, तालाबों में नहीं जाएगा एवं हम अपने पर्यावरण को बचा सकते हैं। अब तक इस ग्राम पंचायत में 43 किलो प्लास्टिक इकट्ठा किया गया है। ग्राम पंचायत द्वारा एक विशेष कार्य यह किया जा रहा है कि सभी बोरियों पर प्लास्टिक फ्री पंचायत लिख कर में लोगों को बढ़-चढ़कर कर हिस्सा लेने का आह्वान किया। बैठक में डीपीआरओ ने बताया कि हम प्लास्टिक का प्रयोग करते हैं तथा उसको बाहर फेंक देते हैं जिससे की समस्याएं खड़ी होती हैं जनपद सोनभद्र एक प्राकृतिक संपदाओं से भरा हुआ जनपद है यहां पर हम जितना कम प्रदूषण करेंगे वह हमारे लिए फायदेमंद है विकास कार्य के साथ-साथ हमें पर्यावरण को संरक्षित करने वाले कार्य को भी प्राथमिकता पर किया जाना जरूरी है यह एक ऐसा कार्यक्रम है जिसमें कोई धनराशि ब्याह नहीं हो रही है तथा हम अपने गांव को प्लास्टिक फ्री ग्राम पंचायत बना रहे हैं। डीपीआरओ जनपद के सभी ग्राम पंचायत का आह्वान किया कि वह इस अभियान का हिस्सा बने तथा अपने गांव को भी प्लास्टिक फ्री बनाएं जिससे कि प्लास्टिक फ्री सोनभद्र का सपना साकार हो सके। जिससे जनपद का नाम प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर रोशन हो सक। बैठक में ग्राम प्रधान मुन्ना लाल मौर्य, कोटेदार अन्नपूर्णा सिंह, पंचायत सहायक संदीप, आंगनबाड़ी कार्यकत्री शकुंतला, किरणमती, अमरावती गांव के नागेंद्र सिंह, केयरटेकर सुमित्रा देवी एवं सहायक विकास अधिकारी पंचायत सुनील यादव तथा डीसी स्वच्छ भारत मिशन अनिल केसरी उपस्थित रहे।

पिस्टल सटाकर पेट्रोल पंप मैनेजर से लूट, बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिस

(आधुनिक समाचार नटवेक)
मिर्जापुर। जिले में बेखौफ बदमाशों ने दिनदहाड़े लूट की घटना को अंजाम दिया। बदमाशों ने पेट्रोल पंप मैनेजर से पिस्टल सटाकर लाखों रुपये लूट लिए। वारदात के बाद बाइक सवार बदमाश मौके से फरार हो गए। मिर्जापुर जिले के लालगंज थाना क्षेत्र के बस्तरा मोड़ पेट्रोल पंप पर सोमवार की सुबह बाइक सवार बदमाशों ने पिस्टल सटाकर लूट की घटना को अंजाम दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी फुटेज आदि से जांच पड़ताल में जुटी है। बस्तरा मोड़ के पास ज्ञान गंगा पेट्रोल पंप स्थित है। सोमवार की सुबह चार बजे पहुंचे बाइक सवार दो बदमाश पेट्रोल पंप के मैनेजर को असलहा सटाकर कर लाखों रुपये लूट ले गए। सूचना पर लालगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एसओजी व सर्विलांस टीम के साथ मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक ने जांच पड़ताल किया। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने बताया कि बाइक से पहुंचे दो बदमाशों ने मैनेजर को असलहा सटाकर लूट की घटना को अंजाम दिया है।

ट्रेन से कटने जा रही महिला को बचाया

(आधुनिक समाचार नटवेक)
मिर्जापुर। संगमोहाल ओवरब्रिज के नीचे रविवार को दोपहर में ट्रेन से कटकर जान देने के लिए रेललाइन पर जा रही महिला को स्थानीय लोगों ने बचा लिया। बाद में इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने महिला को समझा कर घर भेज दिया। हालांकि दो घंटे बाद महिला फिर वापस आ गई। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को बुलाकर महिला को उनके हवाले किया। कटरा कोतवाल अजीत सिंह ने बताया कि महिला को बचाकर उसे घर भेज दिया गया।

थाना रायपुर पुलिस ने 02 नफर अभियुक्तों को किया गिरफ्तार, कब्जे से कुल 04 किग्रा 500 ग्राम गांजा बरामद

(आधुनिक समाचार नटवेक)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक (आप0) के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी सदर नेतृत्व में दिनांक 30.11.2024 को थाना रायपुर पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग के दौरान भिन्न-भिन्न स्थानों से 02 नफर अभियुक्तगण क्रमशः 1. प्रिंस कुमार यादव पुत्र अमरनाथ यादव ग्राम तेनुआ थाना रायपुर जनपद सोनभद्र उम्र 20 वर्ष के कब्जे से एक बैंग में 02 किग्रा 700 ग्राम गांजा व रोशन यादव पुत्र राजकुमार यादव निवासी तेनुआ, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 19 वर्ष के कब्जे से 01 किग्रा 800 ग्राम गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया । बरामदगी व गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना रायपुर पर मु0असं0-126/2024 व 127/2024 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तगण उपरोक्त को माननीय न्यायालय भेजा गया । ङगिरफ्तार अभियुक्तगण का नाम पता –ङ 1.प्रिंस कुमार यादव पुत्र अमरनाथ यादव ग्राम तेनुआ थाना रायपुर जनपद सोनभद्र उम्र 20 वर्ष । 2.रोशन यादव पुत्र राजकुमार यादव निवासी तेनुआ, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 19 वर्ष । ङबरामदगी का विवरण-ङ अभियुक्तगण के कब्जे कुल 4 किग्रा 500 ग्राम गांजा बरामद । ङगिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण-ङ 1. थानाध्यक्ष रामदरश, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र । 2.व030नि0 सूबेदार यादव, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र । 3.30नि0 चन्द्रभान सिंह, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र । 4.हे0का0 विपिन यादव, हे0का0 अजय सिंह कुशवाहा, हे0का0 विनोद कुमार यादव, का0 आकाश कुमार थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र ।

राज्य पेयजल स्वच्छता अभियान का हुआ शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नटवेक)
सोनभद्र।राज्य पेयजल एवं स्वच्छता अभियान के तहत उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण के आदेश अनुसार सोमवार को पेयजल सप्ताह के रूप में सदर विकासखंड रावटसगंज के ग्राम पंचायत बैठौली में पेयजल सप्ताह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी अभियंता महेंद्र सिंह कार्यक्रम का शुभारंभ किया कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्राम वासियों को पूर्ण रूप से जल जांच कर पानी के गुणवत्ता वह उनसे होने वाले बीमारियों के बारे में साथी पाइपलाइन योजना से जो पानी पीने के लिए घर-घर जा रहा है उसको दुरुपयोग न करने के लिए अपील की और बताया कि प्रत्येक राजस्व गांव में पांच पांच महिलाएं हैं जिनको फील्ड टेस्टिंग किट दी गई है वह लोग अपनी जांच कर सैंपल को पोर्टल पर अपलोड कर दें ताकि जो सरकार द्वारा मानदेय है वह उनके खाते में भेजा जा सके साथी इन्फोटेक सॉल्यूशन की सराहना की की बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं आप लोग इसी तरह अन्य गांव में भी कार्य को करते रहिए इस मौके पर उपस्थित सहायक अभियंता विवेक कुमार अरुण कुमार जूनियर अभियंता जनार्दन प्रसाद यूनिसेफ प्रतिनिधि विष्णु मौर्य सोनू सैनी पीएमसी से हिमांशु सुभाष आशुतोष शुक्ला इन्फोटेक सॉल्यूशन नोएडा के सहायक परियोजना सामान्य अतुल सिंह सीता सिंह नेहा पटेल प्रदीप ऋषि श्रीवास्तव सुधीर सिंह इत्यादि लोग मौजूद रहे।

स्नातक के अंक पत्र में हुई त्रुटियों के सुधार को सौपा पत्र

(आधुनिक समाचार नटवेक)
सोनभद्र,ओबरा। सोनभद्र में अंक पत्र में हुई गड़बड़ी को लेकर कें॑न्झ् के कार्यकर्ताओं के द्वारा सुधार हेतु ज्ञापन सौंपा और प्राचार्य से वार्ता की प्राचार्य ने भी आश्वासन देते हुए कहा इसको जल्द से जल्द सुधर जाएगा वही विद्यार्थी परिषद के विभाग सह संयोजक सौरभ सिंह पंकज ने कहा की जैसा कि आप सभी को ज्ञात है कि विद्यार्थी परिषद स्थापना कल से ही सदैव छात्रहित के मुद्दों पर अपनी आवाज को बुलंद करता रहा है वही जतिन पांडे एवं आनंद कुमार ने संयुक्त रूप से कहा यहां पर उपस्थित सभी छात्राओं की समस्या के निदान हेतु हम प्राचार्य महोदय से आग्रह किए हुए हैं और अगर हमारी समस्या का हल नहीं निकलता है तो हम सभी कार्यकर्ता उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे इस दौरान प्रमुख रूप से विभाग सहसंयोजक सौरभ सिंह पंकज आनंद कुमार शशांक पांडे जतिन पांडे अंश चौबे मोहित यादव प्रियांशु सोनकर गौरव इत्यादि कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

कानून व्यवस्था को मजबूत करने के साथ ही खाकी कर रही रिश्तों को भी मजबूत

(आधुनिक समाचार नटवेक)
सोनभद्र। अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जनपद में मिशन शक्ति नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के क्रम में रविवार को महिला थाना रॉबर्ट्सगंज पर आयोजित परामर्श केन्द्र में थानाध्यक्ष महिला थाना, सविता सरोज मय टीम द्वारा महिला थाना रॉबर्ट्सगंज में पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद के संम्बंध में 03 जोड़ा पति-पत्नी की समस्याओं को सुनते हुए उन्हें सुलझाया गया जिससे पति-पत्नी राजी-खुशी से आपस में एक साथ रहने के लिए सहमत होकर घर गए । इसके अतिरिक्त 03 प्रकरण में अग्रिम तिथि नियत की गई । काउंसलिंग के दौरान महिला थानाध्यक्ष द्वारा परामर्श केन्द्र में आये दम्पतियों की पारिवारिक सम्बंधी प्रकरणों में उनकी काउंसलिंग की गयी तथा पति-पत्नी को आपस में विवाद को खत्म कर सुलह-समझौता कराते हुए साथ में रहने हेतु प्रेरित किया गया जिससे दोनों जोड़े हंसी-खुशी साथ मे रहने हेतु तैयार हो गये जिसपर पुलिस द्वारा उन्हें उनके आगामी जीवन की शुभकामनाएं दी गई ।

अखिलेश शुक्ला के हत्यारों के विरुद्ध कठोर कारवाई करें उत्तर प्रदेश पुलिस-राकेश शरण मिश्र

(आधुनिक समाचार नटवेक)
सोनभद्र।संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र 0 (दिवंगत अधिवक्ता के परिजन को रुपए एक करोड़ की आर्थिक मदद देने एवम अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम के लागू करने की मांग सोनभद्र। बीते रविवार दिनांक 17 नवंबर को प्रयागराज के शिव कुटी में रहने वाले हाई कोर्ट के अधिवक्ता अखिलेश शुक्ला की सिंचाई विभाग के ठेकेदार द्वारा विवाद में अपने गुर्गों के साथ निर्ममता से पिटाई के बाद लखनऊ के मेदांता हॉस्पिटल में इलाज के दौरान 21 नवंबर को निधन हो जाने पर प्रदेश भर के अधिवक्ताओं और अधिवक्ता संघों के अंदर अत्यधिक आक्रोश व्याप्त है। घटना की जानकारी होने पर संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के

प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ एवम प्रदेश के पुलिस के उच्चाधिकारियों को पत्र लिखकर दोषीयो के विरुद्ध कठोर कारवाई की मांग की है। श्री मिश्र ने मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र में लिखा है कि प्रदेश का अधिवक्ता समाज मांग करता है कि अधिवक्ता साथी अखिलेश शुक्ला के हत्यारों और दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करके उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कारवाई करते हुए प्रदेश में जल्द से जल्द अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करवाने की कृपा करें। साथ ही दिवंगत अधिवक्ता साथी के परिवार को कम से कम एक करोड़ की आर्थिक मदद देने की कृपा करे।अन्यथा प्रदेश के अधिवक्ताओं को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश सरकार की होगी।

स्पोर्ट्स

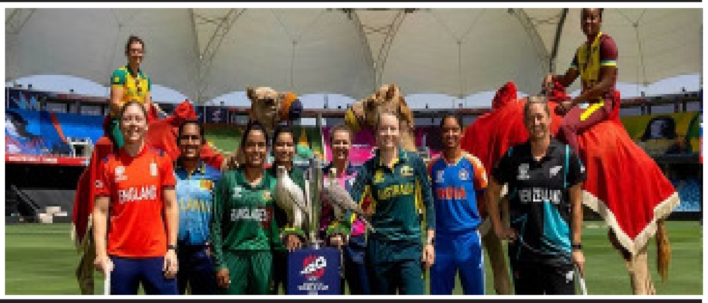

वहीं उन्हें मार के आओ चैंपियंस ट्रॉफी विवाद पर आया शोएब अख्तर का बयान

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। अख्तर ने एक पाकिस्तानी चैनल से बात करते हुए रेवेन्यू के ज्यादा हिस्से की मांग पर पीसीबी के रुख से सहमति व्यक्त की क्योंकि टूर्नामेंट अब एक हाइब्रिड मॉडल में आयोजित किया जाएगा। हालांकि, वह भविष्य के आईसीसी आयोजनों के लिए पाकिस्तान टीम के भारत की यात्रा नहीं करने के रुख के संबंध में पीसीबी के खिलाफ हैं।पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी विवाद को लेकर भारत और आईसीसी के रुख से सहमत नहीं हैं। इसके अलावा वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के आगामी टूर्नामेंट्स के लिए टीम को भारत नहीं भेजने के फैसले से भी खुश नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सभी पक्षों के बीच हाइब्रिड मॉडल पर सहमति बन गई है, लेकिन पीसीबी ने अपनी मंजूरी पर मुहर लगाने के लिए कुछ मांगें और शर्तें रखी हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 टूर्नामेंट की मेजबानी के अधिकार रखने वाले पीसीबी पूरे टूर्नामेंट का आयोजन पाकिस्तान में करने पर आमादा है, लेकिन आईसीसी के साथ हालिया बैठक में उन्होंने अपना रुख नरम किया है। हालांकि, पीसीबी ने कथित तौर पर भारत में आयोजित होने वाले सभी आईसीसी आयोजनों को भी एक हाइब्रिड मॉडल में आयोजित करने की मांग की है। अब इस पर शोएब अख्तर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।अख्तर ने एक पाकिस्तानी चैनल से बात करते

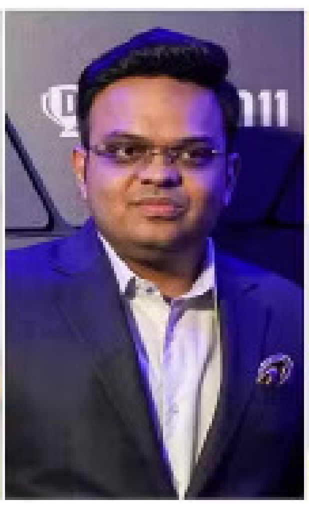

हुए रेवेन्यू के ज्यादा हिस्से की मांग पर पीसीबी के रुख से सहमति व्यक्त की क्योंकि टूर्नामेंट अब एक हाइब्रिड मॉडल में आयोजित किया जाएगा। हालांकि, वह भविष्य के आईसीसी आयोजनों के लिए पाकिस्तान टीम के भारत की यात्रा नहीं करने के रुख के संबंध में पीसीबी के खिलाफ हैं। अख्तर ने कहा, 'आपको होस्टिंग अधिकारों और रेवेन्यू के लिए भुगतान किया जा रहा है और यह ठीक है हम सभी इसे समझते हैं। पाकिस्तान का रुख भी वाजिब है। उन्हें मजबूत स्थिति बनाए रखनी चाहिए थी और ऐसा क्यों नहीं करें वो? एक बार जब हम अपने देश में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करने में सक्षम होते हैं और वे (भारतीय टीम) आने के इच्छुक नहीं होते हैं, तो आईसीसी को हमारे साथ उच्च दर पर रेवेन्यू साझा करना चाहिए। यह एक अच्छा कॉल है।'हालांकि, अख्तर का मानना है कि पीसीबी को पाकिस्तान टीम को भविष्य की आईसीसी प्रतियोगिताओं के लिए भारत भेजना चाहिए। अख्तर का मानना है कि पाकिस्तान को अपनी टीम इस तरह बनानी चाहिए ताकि वह भारत को उसके ही घर में हराने में सक्षम हो। उन्होंने कहा, 'जहां तक भविष्य में भारत में खेलने की बात है तो हमें दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहिए और वहां जाना चाहिए। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि भारत जाओ और वहां उन्हें हराओ। भारत में खेलो और वही उन्हें मार (हरा) के आओ। मैं समझता हूं कि हाइब्रिड मॉडल पर पहले ही हस्ताक्षर किए जा चुके हैं।'चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के मैच दुबई में आयोजित किए जाएंगे, जबकि अगर भारत सेमीफाइनल में पहुंचता है तो दो में से एक सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा। वहीं, अगर भारत फाइनल में पहुंचता है तो फाइनल भी दुबई में खेला जाएगा। अगर भारत नॉकआउट में नहीं जाता है, तो दोनों सेमीफाइनल और फाइनल दोनों पाकिस्तान में आयोजित किए जाएंगे।

बीच मैच में सरफराज खान से हुई बड़ी गलती, रोहित शर्मा का फूटा गुस्सा, पीठ पर जड़ा मुक्का

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। जैसे ही सरफराज गेंद उठाने के लिए नीचे झुकते हैं तभी स्लिप पर तैनात रोहित उनकी पीठ पर जोर से मुक्का जड़ देते हैं। अब फैंस को दोनों की मस्ती

का यह वीडियो काफी पसंद आ रहा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया प्रधानमंत्री एकादश के बीच दो दिवसीय अभ्यास मैच खेला गया। कैनबेरा में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय टीम ने विपक्षियों को छह विकेट से हरा दिया। अब मैच से जुड़े कुछ ऐसे वीडियो वायरल हो रहे हैं जिसे देखकर फैंस जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इन्हीं में से एक वीडियो रोहित शर्मा और सरफराज खान की जुगलबंदी का है, जिसमें हिटमैन को विकेटकीपर की पीठ पर मुक्का मारते देखा जा रहा है। दरअसल, इस मुकाबले में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सरफराज खान ने निभाई। पारी का 23वां फेंक रहे हर्षित राणा जबरदस्त गेंदबाजी कर रहे थे। चौथी गेंद उन्होंने बाउंसर डाली, जिसे ओलिवर डेविस समझने में नाकाम रहे और हिट करने से चूक गए। हैरानी की बात यह है कि बल्लेबाज के अलावा विकेट के पीछे खड़े सरफराज भी गेंद को समझ नहीं पाए और पहले प्रयास में गेंद पकड़ने से चूक गए। इसके बाद वह गेंद के पीछे दौड़े और उसे पकड़ा। वीडियो में देखा जा सकता है जैसे ही सरफराज गेंद उठाने के लिए नीचे झुकते हैं तभी स्लिप पर तैनात रोहित उनकी पीठ पर जोर से मुक्का जड़ देते हैं। अब फैंस को दोनों की मस्ती का यह वीडियो काफी पसंद आ रहा है।टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी प्रधानमंत्री एकादश ने 43.2 ओवर में 10 विकेट पर 240 रन बनाए। उनकी तरफ से सैम कोंस्टास ने शतक जड़ा। उन्होंने 97 गेंदों का सामना किया और 14 चौके व एक छक्की की मदद से 107 रन बनाए। इस दौरान हर्षित राणा ने चार विकेट लिए। जवाब में भारत ने 43वें ओवर की पांचवीं गेंद पर 241 रन बनाए और मैच अपने नाम कर लिया। चूंकि यह मुकाबला 46 ओवर तक खेलना था, इसलिए टीम इंडिया ने खेल जारी रखा। इस तरह भारत ने 17 रन की बढ़त बनाई। इस दौरान भारतीय टीम की तरफ से शुभमन गिल ने अर्धशतक लगाया। हालांकि, रोहित शर्मा कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। वह सिर्फ तीन रन बनाकर पवेलियन लौटे। उन्हें एंडरसन ने अपना शिकार बनाया।

आईसीसी अध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद आया जय शाह का बयान, टेस्ट और महिला क्रिकेट पर कही यह बात

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। रविवार को उन्होंने आईसीसी अध्यक्ष का पदभार संभाला और टेस्ट तथा महिला क्रिकेट पर बात की। भारतीय

क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को पांच वर्षों तक सचिव के तौर पर सेवाएं देने वाले जय शाह अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष के तौर पर क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने के लिए काम करेंगे। रविवार को उन्होंने आईसीसी अध्यक्ष का पदभार संभाला और टेस्ट तथा महिला क्रिकेट पर बात की। सबसे पहले शाह ने आईसीसी अध्यक्ष चुने जाने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा- आज आईसीसी अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका शुरू करने पर मुझे बहुत गर्व है। क्रिकेट एक ऐसा खेल है जो दुनिया भर में लाखों लोगों को जोड़ता है, और यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी और अवसर का क्षण है। इसके अलावा उन्होंने सभी बोर्ड के सदस्यों का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा- मैं सभी सदस्य बोर्डों को उनके भरोसे और समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। हम सब मिलकर क्रिकेट को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास करेंगे, अगली पीढ़ी को प्रेरित करेंगे और हमारे महान खेल क्रिकेट के माध्यम से समुदायों को एकजुट करेंगे। इस दौरान उन्होंने टेस्ट और महिला क्रिकेट पर बात की। जय शाह ने कहा- टेस्ट क्रिकेट खेल का शिखर बना हुआ है और मैं प्रशंसकों के लिए इसके आकर्षण को बढ़ाते हुए इसके कद को बनाए रखने के लिए समर्पित हूं। साथ ही, महिला क्रिकेट हमारी विकास रणनीति का आधार होगा क्योंकि हम इस खेल को नए क्षितिज पर ले जाएंगे।

रोहित शर्मा की पत्नी रितिका सजदेह ने किया बेटे के नाम का खुलासा, सोशल मीडिया पर पोस्ट की तस्वीर

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। रविवार को अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक खूबसूरत तस्वीर पोस्ट की जिसमें उन्होंने अपने पूरे परिवार को दर्शाया है। सभी के आगे उन्होंने उसका नाम लिखा है। दिलचस्प बात यह है कि रोहित, रितिका और समायरा के अलावा एक के आगे अहान लिखा है। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा हाल ही में पिता बने थे। उनकी पत्नी रितिका सजदेह ने 15 नवंबर, 2024 को एक बेटे को जन्म दिया था। यह उनका दूसरा बच्चा है। अब रितिका ने अपने परिवार के नए सदस्य के नाम का खुलासा किया है। उन्होंने रविवार को अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक खूबसूरत तस्वीर पोस्ट की जिसमें उन्होंने अपने पूरे परिवार को दर्शाया है। सभी के आगे उन्होंने उसका नाम लिखा है। दिलचस्प बात यह है कि रोहित, रितिका और समायरा के अलावा एक के आगे अहान लिखा है। इससे साफ हो गया है कि रोहित और रितिका ने अपने दूसरे बच्चे का नाम अहान शर्मा लिखा है। रोहित इस वक्त ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं। पहले टेस्ट में वह अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण नहीं पहुंचे थे। रविवार को भारत बनाम प्रधानमंत्री एकादश मुकाबले में वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे। इस दौरान वह सिर्फ तीन रन बना सके। इससे साफ हो गया है कि एडिलेड टेस्ट में हिटमैन चौथे नंबर पर उतर सकते हैं। हालांकि, अब तक विराट कोहली की पोजीशन साफ नहीं हुई है।

अभ्यास मैच में यशस्वी के साथ पारी का आगाज करने उतरे राहुल, रोहित ने दिया बलिदान

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली।रोहित की अनुपस्थिति में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल ने पारी का आगाज किया था। माना जा रहा था कि रोहित फिर से ओपनर के तौर पर उतरेंगे, लेकिन एडिलेड टेस्ट से पहले हो रहे अभ्यास मैच में रोहित ने अपनी जगह केएल राहुल के पारी की शुरुआत कराने का फैसला किया।भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच में ओपनिंग करने नहीं उतरे। लक्ष्य का पीछा करते हुए यशस्वी जायसवाल के केएल राहुल पारी का आगाज करने उतरे। मालूम हो कि इस मुकाबले के लिए रोहित ने खिलाड़ियों की सूची में खुद को पांचवें स्थान पर

रखा था जिससे संकेत मिल रहे थे कि वह ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरेंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ कैनबरा में अभ्यास मुकाबला खेला जा रहा है जिसमें रोहित टीम की कमान संभाल रहे हैं। रोहित अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में नहीं खेले थे। रोहित पिछले सप्ताह ही टीम के साथ जुड़े थे। रोहित की अनुपस्थिति में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल ने पारी का आगाज किया था। माना जा रहा था कि रोहित फिर से ओपनर के तौर पर उतरेंगे, लेकिन एडिलेड टेस्ट से पहले हो रहे अभ्यास मैच में रोहित ने अपनी जगह केएल राहुल के पारी की शुरुआत कराने का फैसला किया। राहुल और यशस्वी की जोड़ी पर्थ टेस्ट में खूब चली थी और दूसरी पारी में इन्होंने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई थी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में राहुल और यशस्वी ने दूसरी पारी में पहले विकेट के लिए 200 से अधिक रनों की साझेदारी की थी। यह पहली बार था जब ऑस्ट्रेलियाई धरती पर भारतीय ओपनरों ने इतनी बड़ी साझेदारी की थी।

अभ्यास मैच से इतर नेट्स पर बल्लेबाजी करते दिखे विराट कोहली, बुमराह की गेंदों का किया सामना

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें किंग कोहली को नेट्स पर अभ्यास करते देखा जा रहा है। वह जसप्रीत बुमराह की घातक गेंदों का सामना कर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि वह प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ खेले गए मुकाबले में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे। भारत ने रविवार को दो दिवसीय अभ्यास मैच में ऑस्ट्रेलिया की प्रधानमंत्री एकादश को छह विकेट से हरा दिया। इस मुकाबले में विराट कोहली बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे, जबकि नेट्स में उन्हें जसप्रीत बुमराह के खिलाफ बल्लेबाजी का अभ्यास करते देखा गया। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें किंग कोहली को नेट्स पर अभ्यास करते देखा जा रहा है। वह जसप्रीत बुमराह की घातक गेंदों का सामना कर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि वह प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ खेले गए मुकाबले में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे। फैंस को इंतजार था

कि वह अपने स्टार खिलाड़ी को इस मैच में बल्लेबाजी करते देखेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। पर्थ टेस्ट में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से मात दी थी। इस जीत में विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। विराट ने अपना 30वां टेस्ट शतक और ऑस्ट्रेलियाई धरती पर सातवां शतक बनाया। मैच में आठ विकेट लेने वाले कार्यवाहक कप्तान बुमराह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था।अब किंग कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में खेलते दिखेंगे। यह मुकाबला छह दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। इस मैदान पर 36 वर्षीय बल्लेबाज का रिकॉर्ड शानदार रहा है। एडिलेड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में कोहली दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने आठ पारियों में 509 रन बनाए हैं। अभ्यास मैच की बात करें तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी प्रधानमंत्री एकादश ने 43.2 ओवर में 10 विकेट पर 240 रन बनाए। उनकी तरफ से सैम कोंस्टास ने शतक जड़ा। उन्होंने 97 गेंदों का सामना किया और 14 चौके व एक छक्की की मदद से 107 रन बनाए। इस दौरान हर्षित राणा ने चार विकेट लिए। जवाब में भारत ने 43वें ओवर की पांचवीं गेंद पर 241 रन बनाए और मैच अपने नाम कर लिया। चूंकि यह मुकाबला 46 ओवर तक खेलना था, इसलिए टीम इंडिया ने खेल जारी रखा। इस तरह भारत ने 17 रन की बढ़त बनाई। इस दौरान भारतीय टीम की तरफ से शुभमन गिल ने अर्धशतक लगाया। हालांकि, रोहित शर्मा कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। वह सिर्फ तीन रन बनाकर पवेलियन लौटे। उन्हें एंडरसन ने अपना शिकार बनाया। भारतीय कप्तान का फ्लॉप होना चिंताजनक है।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

बिहार के लाल का कमाल हैट्रिक के साथ एक पारी में झटके 10 विकेट, बना डाला बड़ा रिकॉर्ड

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। सुमन ने राजस्थान की पारी के 36वें ओवर में हैट्रिक ली। उन्होंने 1.57 के इकोनॉमी रेट से गेंदबाजी करते हुए मोहित भगनानी, अनस और सचिन शर्मा को अपना शिकार बनाया। वह इस टूर्नामेंट की एक पारी में 10 विकेट और हैट्रिक लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए। बिहार के लाल सुमन कुमार ने रविवार को एक पारी में 10 विकेट चटकाकर इतिहास रच दिया। इतना ही नहीं, इस दौरान उन्होंने हैट्रिक भी ली। बता दें कि, कूच बिहार ट्रॉफी में बिहार और राजस्थान के बीच जबरदस्त मुकाबला खेला गया। इस मैच में बाएं हाथ के स्पिनर सुमन कुमार ने अपनी घातक गेंदबाजी से जलवा बिखेरा। उन्होंने 33.5 ओवर में 53 रन देकर 10 विकेट झटके। युवा गेंदबाज ने इस दौरान 20 ओवर मेडन फेंके। सुमन ने राजस्थान की पारी के 36वें ओवर में हैट्रिक ली। उन्होंने 1.57 के इकोनॉमी रेट से

गेंदबाजी करते हुए मोहित भगनानी, अनस और सचिन शर्मा को अपना शिकार बनाया। वह इस टूर्नामेंट की एक पारी में 10 विकेट और हैट्रिक लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए। पहले बल्लेबाजी करने उतरी बिहार ने दिपेश गुप्ता और पृथ्वी राज की शतकीय पारियों की बदौलत 467 रन बनाए। दिपेश 381 गेंदों में 28 चौकों की मदद से 183 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि पृथ्वी ने 128 रन बनाए। सुमन ने कहर बरपाते हुए बिहार को 285 रन की बढ़त दिलाई। राजस्थान ने अपनी दूसरी पारी में वापसी करते हुए पार्थ यादव की नाबाद 200 रनों की पारी की बदौलत पांच विकेट पर 410 रन बनाए। यह मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ और बिहार को तीन अंक मिले जबकि राजस्थान को सिर्फ एक अंक मिला। कूच बिहार ट्रॉफी में बिहार के लिए सुमन ने अब तक चार मैच खेले हैं। इनमें उन्होंने 1.91 के इकोनॉमी रेट से गेंदबाजी करते हुए 23 विकेट चटकाए हैं। वह मौजूदा घरेलू सत्र के दूसरे 10 विकेट हॉल हासिल करने वाले गेंदबाज बन गए। उनसे पहले यह कारनामा हरियाणा के अंशुल कंबोज ने किया था। हाल ही में इस गेंदबाज ने रणजी की एक पारी में 10 विकेट चटकाए थे। मालूम हो कि, छह दिसंबर को बिहार का सामना महाराष्ट्र से होगा। सुमन की टीम फिलहाल एलीट ग्रुप ई में 10 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है, जबकि राजस्थान दूसरे स्थान पर है।

सम्पादकीय

डोरोथी अर्जनर, जिसके नाम कई प्रथम दर्ज हैं

मूक फिल्मों में एकाध स्त्री सिने-निर्देशक थीं मगर सवाक फिल्मों के दौर में काफी समय तक इस क्षेत्र में डोरोथी एकमात्र स्त्री थीं। वे हॉलीवुड की प्रथम एडिटर थी (स्त्री-पुरुष दोनों में) जिसका नाम परदे पर क्रेडिट में लिखा गया। उन्होंने इस हैसियत से 52 फिल्मों में काम किया। ऐसा माना जाता है कि सिने-निर्देशन पुरुषों का क्षेत्र है। हो सकता है, मगर इस क्षेत्र में बहुत पहले एक महिला सेंध लगा चुकी थी। डोरोथी अर्जनर का जन्म लगभग सिनेमा के उदय के साथ हुआ। 3 जनवरी 1897 (कहीं कहीं यह 1900 लिखा है) को कैलिफोर्निया में जन्मी डोरोथी अर्जनर ने अपने मात्र पंद्रह साल के कैरियर में 3 मूक तथा 14 सवाक फिल्में बनाईं। वे गोल्डन एज की एकमात्र स्त्री निर्देशक मानी जाती हैं, जिसने हॉलीवुड स्टूडियो सिस्टम में काम किया। उनके पिता जर्मन-अमेरिकन थे और मां स्कॉट थीं। उनके माता-पिता कैफे चलाते थे, जिसके जर्मन व्यंजन खूब प्रसिद्ध थे। जहां हॉलीवुड के निर्देशक और अभिनेता अक्सर आते थे, इनमें चार्ली चैपलिन जैसे अभिनेता/निर्देशक भी शामिल थे। अपने माता-पिता के कैफे में डोरोथी वेटर थी, तब किसने सोचा था, एक दिन वह हॉलीवुड की पुरुष संचालित परम्परा तोड़ेगी और निर्देशन के क्षेत्र में शासन करेगी।जैसा उन दिनों चलन था डोरोथी ने भी सिने उद्योग में निचले पायदान से काम प्रारंभ किया और एक-एक सीढ़ी चढ़ती हुई निर्देशक की कुर्सी तक पहुंचीं। उन दिनों आजकल की भांति न तो सिने-प्रशिक्षण केंद्र थे और न ही अभिनेता सीधे निर्देशक बनते थे। डोरोथी के अनुसार यह बेहतर तरीका था। वैसे उन्होंने दक्षिण कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की थी। वे 1917 में प्रि-मेडिकल की पढ़ाई कर रही थीं, तभी अमेरिका प्रथम विश्वयुद्ध में शामिल हुआ। डोरोथी मिलिट्री में जाना चाहती थीं, मगर उन दिनों स्त्रियों केलिए इसके दरवाजे खुले नहीं थे अतः वे एंबुलेंस ड्राइवर बन गईं। इसी दौरान उनकी मुलाकात सिने-निर्देशक विलियम सी. डिमिले से हुई जो पैरामाउंट पिक्चर के डिस्ट्रिब्यूशन युनिट के सह-संस्थापक थे। डोरोथी फिल्म में कैरियर बनाने के ख्याल से सेट पर गई और उन्होंने वहां एडिटिंग की सुविधाएं देखीं। उन दिनों निर्देशन तथा एडिटिंग का काम अलग विभाग का नहीं था। डोरोथी ने निर्देशक बनना तय किया मूक फिल्मों में एकाध स्त्री सिने-निर्देशक थीं मगर सवाक फिल्मों के दौर में काफी समय तक इस क्षेत्र में डोरोथी एकमात्र स्त्री थीं। मगर जैसा ऊपर लिखा है, वे सीधे निर्देशक नहीं बन गईं। पहले वे विलियम डिमिले की स्टेनो बनीं। वे अच्छी टाइपिस्ट नहीं थीं, उन्होंने सिनप्सिस लिखने की पेशकश की और वे राइटर बनीं। उनके काम से पैरामाउंट के शक्तिशाली लोग प्रसन्न हुए और उन्हें फिल्म कटर का काम मिल गया। एक साल बाद वे स्क्रिप्ट गर्ल बन गईं और उनके काम से प्रभावित हो उन्हें एडिटिंग का काम सौंपा गया वे हॉलीवुड की प्रथम एडिटर थी (स्त्री-पुरुष दोनों में) जिसका नाम परदे पर क्रेडिट में लिखा गया। उन्होंने इस हैसियत से 52 फिल्मों पर काम किया। 'ब्लड एंड सैंड', 'द कवर्ड वैगन', 'रागल्स ऑफ रेड गैप', 'मेट्रन ऑफ द मूवज', 'ओल्ड आयरनसाइड्स' आदि फिल्में इसमें शामिल हैं। साथ में उनका स्क्रीनप्ले लिखना जारी था। 'ओल्ड आयरनसाइड्स' के बाद उन्हें सह-निर्देशक बनने का अवसर मिला। मगर राह इतनी आसान न थी, निर्देशक बनने का अपना सपना पूरा करने केलिए उन्हें धमकी देनी पड़ी। पैरामाउंट पिक्चर्स उन्हें सह-निर्देशक बनाने तक राजी था, मगर डॉयरेक्टर की कुर्सी सौंपने को नहीं। अंततः डोरोथी ने धमकी दी, कहा, यदि उसे यह पद नहीं दिया गया तो वह पैरामाउंट छोड़ कर कोलंबिया पिक्चर्स चली जाएगी। अगर आपके पास प्रतिभा है और कोई उसे पहचानने वाला है तो वह आपको छोड़ेगा नहीं। पैरामाउंट बॉसेस डोरोथी की प्रतिभा का मूल्य जानते थे, वे उन्हें गंवाना नहीं चाहते थे। उन लोगों ने डोरोथी को 'फैशन फॉर वीमेन' (1927) का निर्देशन सौंपा। इस तरह उनका स्वप्न पूरा हुआ। उनकी बनाई पहली फिल्म खूब सफल रही।पैरामाउंटन ने ही अगले साल उन्हें सवाक फिल्म 'मैनहट्टन कॉकटेल' का बतौर निर्देशक दायित्व दिया। इस तरह वे सवाक फिल्मों की पहली महिला निर्देशक बन इतिहास में दर्ज हो गईं। उनके स्क्रीनप्ले सफल होते थे क्योंकि उन्हें स्त्री मनोविज्ञान की खासी समझ थी, साथ ही स्त्रियों से उनकी खूब पटती थी। लेकिन उन्होंने एडवेंचर एवं वेस्टर्न एक्शन फिल्मों की पटकथा लिखी और वे भी खूब सराही गईं। उन्होंने अधिकतर स्त्री मेलोड्रामा श्रेणी की फिल्मों का निर्देशन किया। उनकी निर्देशित फिल्में स्त्री के बारे में, उनके जीवन तथा उसके संबंधों के विषय में होती थीं।फिल्म उद्योग के स्त्री-पुरुष दोनों से सहयोग की कुशलता और प्रतिभा डोरोथी में थी।

सर्वोदय विद्यालयों की तीन दिवसीय राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नटवेक)

प्रयागराज । जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय के तहत 84 विद्यालयों के खिलाड़ी हुए शामिल

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 96 छात्राएं एवं 148 छात्र शामिल तीन दिन तक केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित होंगी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता पहले दिन दौड़, कबड्डी और वॉलीबॉल में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन समाज कल्याण निदेशक ने खेलों को टीम वर्क और आत्मविश्वास का माध्यम बताया बालक/बालिका वर्ग की रोमांचक स्पर्धाओं ने बढ़ाया सबका उत्साह खिलाड़ियों के ठहरने और खानपान के लिए की गई बेहतरीन व्यवस्था लखनऊः 01 दिसम्बर, 2024 लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आज 01 दिसंबर से शुरू हुई सर्वोदय विद्यालयों की तीन दिवसीय राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन समाज कल्याण निदेशक, श्री कुमार प्रशांत ने किया। उद्घाटन समारोह में उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और गुब्बारे उड़ाकर खेलों का शुभारंभ किया। पहले दिन बालक और बालिका वर्ग में दौड़, कबड्डी और वॉलीबॉल के मुकाबले हुए, जिनमें खिलाड़ियों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित होने वाले जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों की खेल प्रतियोगिता में खेलों के दौरान छात्रों में जोश और उत्साह देखने लायक था। प्रतियोगिता में बालकों के 6 जोन बनाए गए हैं, जिसमें आगरा, मेरठ, प्रयागराज, मिर्जापुर, गोरखपुर और लखनऊ मंडल शामिल हैं। इसी प्रकार बालिकाओं के 4 जोन में बरेली, प्रयागराज, गोरखपुर एवं लखनऊ मंडल शामिल हैं। बालक वर्ग में 100, 200 और 400 मीटर दौड़ के साथ ही बालिका वर्ग की कबड्डी और वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं ने दर्शकों का ध्यान खींचा। समाज कल्याण विभाग के निदेशक, श्री कुमार प्रशांत ने खेल भावना और टीम वर्क की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करते हैं। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों और टीम प्रबंधकों के ठहरने और भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है। समाज कल्याण विभाग की ओर से यह आयोजन छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए एक सराहनीय पहल है। अगले दो दिनों में लंबी कूद, ऊंची कूद, भाला फेंक और बैडमिंटन जैसे खेलों के रोमांचक मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। प्रतियोगिता के आयोजन के दौरान समाज कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक, आरके सिंह, उपनिदेशक, जयराम एवं अमरजीत सिंह के साथ ही टीमों के साथ सर्वोदय विद्यालयों के शिक्षक, टीम मैनेजर आदि उपस्थित रहे।

क्या कांग्रेस में सचमुच कोई आमूल बदलाव होगा

देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी की मूल समस्या ही ये है कि उसका सिर से पैर तक संगठनात्मक ढांचा चरमराया हुआ है। खासकर 2014 के बाद तो उसकी स्थिति और भी बदतर होती गई है। हर चुनावी हार के बाद यह बात उठती है कि पार्टी संगठन में सुधार जरूरी है। लेकिन हकीकत में सुधार के लिए कुछ नहीं होता है। पहले हरियाणा व अब महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों परिणामो से हैरान और उद्वेलित कांग्रेस पार्टी अगर सचमुच गंभीर आत्मनिरीक्षण और संगठनात्मक ढांचे में आमूल सुधार करने जा रही है तो इससे अच्छी कोई बात पार्टी और देश के

लिए हो नहीं सकती। महाराष्ट्र व हरियाणा में इस बार सत्ता में लौटने का सपना देख रही कांग्रेस की दयनीय पराजय के बाद दिल्ली में हुई कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कुछ खरी खरी बातें कहीं। लेकिन ये तमाम बातें व्यावहारिक अंजाम तक भी पहुंचेंगी, यह खरगे भी नहीं जानते। खरगे ने अपने संबोधन में पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि हमे चुनाव परिणामों से निराश नहीं होना चाहिए। लेकिन पार्टी को मजबूत करने के लिए ऊपर से नीचे तक बदलाव की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें अपनी चुनावी रणनीति में सुधार करना होगा, माहौल पक्ष में मतलब जीत की गारंटी नहीं है। इस पर बैठक में मौजूद पार्टी के सर्वेसर्वा राहुल गांधी ने खरगे से कहा कि वो इस मामले में सख्त एक्शन लें।

वाह रे उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन

आखिर निजीकरण क्यों और जिम्मेदार कौन

(आधुनिक समाचार नटवेक)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कीजनता के मन में हमेशा एक सवाल होता है आखिरकार निजीकरण क्यों किया जा रहा है इससे जनता को क्या लाभ होगा जबकि यह एक लोकतांत्रिक देश है यहां जनता के लिए जनता द्वारा चुनी गई सरकार है जो कि जनता के हित में कार्य करने के लिए चुनी गयी है फिर यह निजीकरण की बात कहां से आ गई विद्युत विभाग में सन 2000 से सुधार के कार्यक्रम जारी है, सबसे पहले घाटे का हवाला देकर परिषद से कंपनी बनी। चलो जनता ने उसको स्वीकार कर लिया अब यह कंपनियां तोड़ के छोटी-छोटी कंपनियां बनाकर निजी हाथों में देकर जनता के ऊपर अनावश्यक बोझ डालने की तैयारी हो रही है। आखिर सन 2000 से आज 2024 -25 तक उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के सहयोगी निगमों को भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी चला रहे हैं तो फिर निजीकरण क्यों अगर घाटे की बात

है तो ऑडिट कराया जाये और जिम्मेदारी तय हो। तो सबसे ज्यादा जिम्मेदारी प्रबंधन की होती है जो नीतियां बनाते हैं जब दर्जी का काम मोची करेगा तब तो घाटा होगा ही सन 2000 में उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन का घाटा 77.47 करोड़ था तब तो इसका विघटन करके कंपनियां बना दी गई और अगर अब यह घाटा 1 लाख 10 हजार करोड़ हो गया है तो इसका जिम्मेदार कौन है? जवाब है भारतीय प्रशासनिक सेवा के अनुभवहीन अधिकारीगण हर कंपनी में वितरण क्षेत्र, पारेषण उत्पादन अथवा जल विद्युत की हो चाहे वह उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन का शीर्ष ही क्यों न हो उस पर हमेशा भारतीय प्रशासनिक सेवा के अनुभवहीन अधिकारी पदों को कब्जा किए रहते हैं और मनमानी करते हैं जबकि माननीय सर्वोच्च न्यायालय में उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2004 में शपथ पत्र के माध्यम से कहा था कि मेमोरेंडम आफ आर्टिकल बनने के बाद चयन प्रक्रिया के माध्यम से निगमों में नियुक्ति होगी परंतु आज तक उस शपथ पत्र का पालन नहीं किया गया।ङ यहां तक कि भारतीय प्रशासनिक अधिकारियों के झूठ की कोई पराकाष्ठा है ही नहीं...यह वादा करते हैं माननीय सर्वोच्च न्यायालय में, माननीय उच्च न्यायालय में समझौता करते हैं ,माननीय ऊर्जा मंत्री के सामने कैबिनेट के द्वारा समझौते होते हैं, उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत कर्मचारी संघर्ष समिति से समझौते करते हैं परंतु जैसे ही समझौते हो जाते हैं भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अपनी मनमानी करने लगते हैं ।इस मनमानी का एक छोटा सा उदाहरण आगरा है जहां के बकाए की आज तक वसूली नहीं करी गई है। 14 साल में जो कंपनी आपका पैसा आपको वापस न कर पाए तो क्या उससे उम्मीद करेंगे कि भविष्य में वह पैसा आपको वापस करेगी। नोएडा में जो कंपनी विद्युत आपूर्ति कर रही है उसने अपने पावर प्लांट लगाने की बात कही थी। जमीन तक दी गई परंतु आज तक ना पावर प्लांट लगा ना कोई वसूली हुई। इतने बड़े अनियमितता के बाद भी विभाग द्वारा इन कंपनियों पर कोई कार्रवाई नही की जाती है। इन दोनों शहरों के निजीकरण से हाथ जलाये हुए विभाग ने तो अब दो डिस्काम लगभग आधा प्रदेश ही निजी हाथो मे देने की तैयारी कर ली है।इस समय पूर्वांचल और दक्षिणांचल निगम मे 66 हजार करोड रुपए बिजली बिल बकाया है, इस बकाये राशि किसके खाते में जाएगी? कंपनी के या विभाग के विभाग द्वारा पीपीए मॉडल पर कई कई कंपनियों से बिजली खरीद का समझौता किया हुआ है। क्या अब डिस्काम चलाने वाली कंपनियां उस अनुबंध को मानेगी? और अगर नहीं मानेंगी तो अवमानना का दोषी कौन होगा जब जब जनता के ऊपर उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के कंपनियों की देनदारियां हैं तो फिर घाटा कैसे??ङ वसूलो पैसा । अभी हाल मे विद्युत नियामक आयोग ने विभाग के विद्युत दरों के बढ़ने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। अब ङक्या इन निजी कंपनियों द्वारा नियामक आयोग निर्देश माना जाएगा तो इसका जवाब है बिल्कुल नहीं... कंपनियां अपने हिसाब से बिजली की दरे तय करेंगे..... उपभोक्ताओं को महंगे बिजली दरों के लिए तैयार रहना पड़ेगा। जब कोई भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी किसी वितरण निगम का प्रबंध निदेशक बना दिया जाता है तो उसकी जिम्मेदारी होती है इस राजस्व को वसूलने की तो फिर इनकी वार्षिक गोपनीय आख्या में क्यों नहीं इस बात का जिक्र किया जाता है कि फलाने प्रबंध निदेशक/अध्यक्ष के कार्यकाल में इतना घाटा हुआ। क्यों नहीं इनकी वार्षिक गोपनीय आख्या में इस तथ्य का उल्लेख किया जाता है? जबकि कंपनी एक्ट की सारी ताकतों का सारे अधिकारों का यह अनुभवहीन अधिकारी पूरा फायदा उठाते हैं, तो होने वाले नुकसान की जिम्मेदारी भी तो इन्हीं की होनी चाहिए । इनकी अनुभवहीनता की वजह से हुए घाटे का जिम्मेदार कोई और कैसे हो सकता है? और उसकी सजा जनता भुगतेगी और जनाब घाटे के रोने की आड़ में अपनी जिम्मेदारियो से बचते हुए अपनी जेबें गर्म करते रहेंगे और फिर अपने संबंधों का फायदा उठाकर उस घोटाले से बच निकलते हैं। जैसा कि पूर्व में वर्तमान कमांडर महोदय के साथ हुआ। कुछ चर्चाएं हैं मीडिया बंधुओं के बीच में कि जब यह परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक थे तो 250 करोड़ का एक टेंडर किया था और उसे अपने चहेतो को दे दिया गया, जब यह बात मीडिया के सामने आई तो फिर इन्हें वहां से हटा दिया गया बाद में उस कंपनी को ब्लैक लिस्ट किया गया। इसी तरह कुंभ में हुआ और फिर यह निलंबित भी रहे और अब यह उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन को बेचने में लगे हुए हैं जब ऐसे दागदार अधिकारी जनता की सेवा में नियुक्त किए जाएंगे तो फिर निगम तो घाटे में आएगा ही और फिर कहते हैं कि इसमें मेरा कोई दोष नहीं है, यानि कि दरजी के काम का अनुभव नहीं मोची को सिलने के लिए कपड़ा दे दिया जाए या साधारण भाषा में कहा जाए की बिच्छी के कांटे का मंत्र नहीं जानते और सांप के बिल में हाथ डालना है...फिर तो यह होना ही है। इनकी कार्य कुशलता की एक और मिसाल सहायक अभियंता आईटी जो कि हर जोन में तैनात हुआ करते थे उन सभी को बुलाकर शक्ति भवन में कंप्यूटर ऑपरेटर बना दिया गया है तो जोन के ईआरपी का काम कौन देखेगा? इसी तरीके से बिना अनुमति के बिना पद सृजित किए हुए बिना राजपाल की अनुमति के नये जोनों का निर्माण कर दिया गया जब कि मुख्य अभियंता तक शिकायत ले कर शायद ही कोई उपभोक्ता जाता होगा। उपभोक्ता तो अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता व अधीक्षण अभियंता के स्तर के लोगों से ही मिलता है। तो इन पदों को ना बढ़ाकर मुख्य अभियंता के पदों को या वितरण क्षेत्रों की संख्या बढ़ाना कहां की समझदारी है? एक तरफ तो खर्चा कम करने के लिए तरह-तरह के आदेश देते हैं जिसे व्यावहारिक दिक्कतें होती हैं परंतु जब इनसे पूछो कि यह आपने आदेश क्यों दिया? तो सीधे बोलते हैं कि यह तो मेरे विशेष शक्तियां हैं। वैसे इस घाटे के जिम्मेदार यह भारतीय प्रशासनिक सेवा के अनुभवहीन अधिकारी हैं जिनकी अनुभवहीनता की वजह से उपभोक्ता से लेकर कर्मचारी तक पीड़ित है। जब तक मेमोरेंडम आर्टिकल का पूर्ण रूप से पालन नहीं होगा तब तक यह अनुभवहीन लोग इस सोने की चिड़िया को ऐसे ही नोच नोच कर खाते रहेंगे और अपने स्वार्थ के लिए इसको निजी हाथों में देकर भी लाभ कमाने का जरिया ढूंढेंगे ।

तालियो की गड़गड़ाहट और ठहाकों से गूंजता रहा पंडाल

(आधुनिक समाचार नटवेक)

अनपरा। अवधूत भगवान राम महाविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देर रात तक सभागार कवियों की विभिन्न विधा की कविताओं पर कभी तालियो की गड़गड़ाहट तो कभी कहकहे से गूंजता रहा।

इटावा से आए ओज कवि कमलेश शर्मा ने रामचंद्र जी की प्रामाणिकता पर सवाल उठाने वालों को करारा जवाब देते हुए ललकार भरा, जो कर रहे हैं राम की निंदा वह अब तक है कैसे जिंदा उनके हर एक शब्दों पर पंडाल से तालियो की बौछार होती रही। ग्वालियर से आए गीत गजल के प्रख्यात कवि राज बहादुर राज ने बादल कब बरसोगे कविता पढ़ कर वाहवाही लूटी, उन्होंने पढ़ा भवरे भी अब गीत बिरह का गाते फिरते हैं, चंचल तितली की आंखों से अब आंसू गिरते हैं, प्रीत रीत की टूट जाएगी तब बरसों गे बादल कब बरसोगे.. इससे पूर्व कवयित्री विभा शुक्ला ने वाणी वंदना से कवि सम्मेलन का शुभारंभ किया। सतना से आए हास्य कवि रवि शंकर चतुर्वेदी ने माइक पढ़ते ही अपने हाव-भाव और शब्दों से उपस्थित श्रोताओं को गुदगुदाना शुरू कर दिया उनके एक-एक शब्दों पर लोग लोटपोट होते रहे, कभी ठहाके तो कभी तालितो से उनका खैरमकदम होता रहा। उन्होंने पढ़ा हिंदी में इंग्लिश का पर्चा अजब करते हैं बाबूजी। जौनपुर से आए कवि अमृत प्रकाश ने बंद पढ़कर उपस्थित श्रोताओं की तालियां बटोरी। वाराणसी से आई हुई कवयित्री विभा शुक्ला ने अपने श्रृंगार रस से आए हुए श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया, उन्होंने पढ़ा ए कान्हा हम तेरी याद में हद से गुजर गई, जीती थी तेरी याद में तेरी याद में ही मर गई। राजस्थान से आए हुए हास्य और व्यंग्य के प्रसिद्ध कवि अरविंद पोटा ने अपने व्यंग्य के बाणों से लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। ओज और यथार्थ के सशक्त हस्ताक्षर कवि दिनेश दिनकर ने अपने कटाक्षों से समाज के यथार्थ को कविता के माध्यम से लोगों के सम्मुख पेश किया। उन्होंने पढ़ा नदिया सुखे, सागर सुखे पर आंख सुख न पाएगी,जिस दिन सूख जाएंगे आंसू यह कविता भी मर जाएगी। जिसे उपस्थित श्रोताओं ने जोरदार तालितो से सम्मान दिया। प्राचार्य डॉक्टर अजय विक्रम सिंह ने अपनी स्वरचित कविताओं से ऐसा समा बाधा कि लोग उनके हरफनमौला व्यक्तित्व के कायल हो गए।देश की मुफलिसी, भूख, बेचारगी और लाचारगी को दर्शाते हुए राष्ट्रवादी कवि कमलेश राजहंस ने जब कविताएं पढ़ना शुरू की तो लोगों की आंखें आंसुओं से भीग गई। उन्होंने अपनी कविताओं से भूख की वेदना और उससे तड़पते मां बेटे और बहन भाइयों की वेदनाएं सुना कर देश के मुफलिसी की दास्तान का जीवंत खाका खींचा। उन्होंने अपने शानदार संचालन से लोगों को देर रात तक पंडाल में बैठने पर मजबूर कर दिया।ओमप्रकाश जी ने कवि सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए अपने यथार्थ गीतों से लोगों को सोचने पर मजबूर किया। गौतम मेरठी ने अपने कविता के माध्यम से हिंदू मुस्लिम एकता पर जोर दिया। इससे पूर्व सीओ पिपरी अमित कुमार, वरिष्ठ पत्रकार राहुल श्रीवास्तव, सोनभद्र प्रेस क्लब के अध्यक्ष विजय शंकर चतुर्वेदी, अवधूत भगवान राम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अजय विक्रम सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। क्षेत्राधिकारी पिपरी अमित कुमार ने श्रृंगार रस से संबंधित कुछ मुक्तक पढ़कर लोगों को मंत्र मुग्ध किया। बताते चलें कि यह काव्य निशा ऊर्जांचल प्रेस क्लब अनपरा के गठन के प्रथम वर्षगांठ पर अवधूत भगवान राम महाविद्यालय और प्रेस क्लब के तत्वावधान में आयोजित किया गया था। कमेटी द्वारा प्रेस क्लब के अध्यक्ष आरपी सिंह को प्रथम ऊर्जा गौरव सम्मान से नवाजा गया। इस मौके पर व्यवसायी अरविंद कुमार सिंह, समाजसेवी प्रदीप राय, गौरव खंडेलवाल, दिलीप मिश्रा, सत्यांश शेखर मिश्रा, फिरतू राम यादव, प्रभा शंकर मिश्र, गोपाल गुप्ता गोपाल चौरसिया, डॉ प्रीति मौर्या, डॉ अजय सिंह, पवन अग्रवाल, सुमित गुप्ता, रंग बहादुर यादव, नीलकंठ तिवारी आदि मौजूद रहे। धन्यवाद प्रेस क्लब के अध्यक्ष आरपी सिंह ने ज्ञापित किया।

अंतर्मन से लिया गया फैसला जीवन बदल देता है सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं, कभी हार न मानें

आपको किसी चीज पर भरोसा करना होगा, अपने अंतर्ज्ञान, भाग्य, जीवन, कर्म, या जो भी हो, क्योंकि यह आपको अपने दिल की बात मानने का आत्मविश्वास देगा। और

यही सब कुछ बदल देगा। यह मेरे जीवन की शुरुआत थी। मैं 17 साल बाद कॉलेज गया था। लेकिन मैंने नासमझी में एक ऐसा कॉलेज चुन लिया, जो स्टैनफोर्ड जितना ही महंगा था। यहां मेरे माता-पिता की सारी कमाई और बचत कॉलेज की ट्यूशन फीस पर ही खर्च हो जा रही थी। छह महीने बाद मुझे इसमें कोई सार नजर नहीं आया। मुझे नहीं पता था कि मैं अपने जीवन में क्या करना चाहता हूं। मुझे यह भी नहीं पता था कि कॉलेज मुझे यह समझने में कैसे मदद करेगा। कॉलेज का भारी-भरकम खर्च और माता-पिता पर आर्थिक बोझ को देखते हुए आखिरकार मैंने पढ़ाई छोड़ने का फैसला कर लिया। मगर मुझे इसका पक्का भरोसा था कि सब ठीक हो जाएगा। हालांकि उस समय यह सब बहुत डरावना भी लग रहा था। पर आज मैं जब पीछे मुड़ कर देखता हूं, तो पाता हूं कि यह फैसला मेरे द्वारा लिए गए अब तक के सबसे अच्छे फैसलों में से एक था। जिस क्षण मैंने पढ़ाई छोड़ी, मैंने उन्हीं कक्षाओं में जाना शुरू कर दिया, जिनमें मुझे दिलचस्पी थी।

बोले- तिरुपति जैसा जघन्य पाप दुबारा न हो, इसके लिए सनातन बोर्ड जरूरी

(आधुनिक समाचार नटवेक)

वाराणसी। भागवत कथा के शुभारंभ पर 108 रजत कलशों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के दीक्षांत मंडप में चल रहे भागवत कथा के प्रवचन के दौरान भागवत कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि धर्म की रक्षा के लिए सनातन बोर्ड की आवश्यकता है। भागवत कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि धर्म की रक्षा के लिए सनातन बोर्ड की आवश्यकता है। काशी की पावन धरा से आज सनातन बोर्ड के गठन का आह्वान हुआ है। इसका संदेश दूर तक जाएगा। मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से बाहर किया जाए ताकि तिरुपति जैसा जघन्य पाप दोबारा न हो। इसके लिए सनातन बोर्ड की नितांत आवश्यकता है वह रविवार की शाम संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के दीक्षांत मंडप में चल रहे नौ दिवसीय सिय पिय मिलन महामहोत्सव में भागवत कथा का प्रवचन कर रहे थे। काशी की महिमा का बखान करते हुए देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि काशी इस धरती का स्थान नहीं है, यह तो बाबा विश्वनाथ का आनंदवन है।प्रलय काल में इस अविनाशी काशी को बाबा अपने त्रिशूल पर धारण कर लेते हैं। यही एक नगरी है जो सदा थी, सदा है और सदा रहेगी। वह दिन दूर नहीं जब ज्ञानवापी पर बाबा की कृपा होगी। अब तो मथुरा की भी तैयारी पूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि वक्फ बोर्ड न होता तो ज्ञानवापी की लड़ाई इतनी लंबी न होती। कथा श्रवण कराते हुए देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि जीवन में किसी की सेवा करो न करो, माता-पिता, अपने

धर्म और अपने देश की सेवा जरूर करो। इनकी सेवा की तो देवता भी हाथ जोड़कर स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि जिन्हें लगता है कि पुत्र के जन्म लेने से ही उनका सौभाग्य जागृत होगा, उन्हें भागवत सबसे बड़ी सीख देती है। उन्होंने कहा कि कोशिश करें किसी को भी हमारे मन, कर्म और वचन से ठेस न पहुंचे। श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ विशाल कलश यात्रा से हुआ। कथा के मुख्य संकल्पी अशोक अग्रवाल गुरुकृपा के धूपचंडी स्थित आवास से पूर्वाह्न 11 बजे 108 रजत कलश के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्वी द्वार से होते हुए कथास्थल पर पहुंची। शोभायात्रा वृंदावन के श्रीरामरस महाराज, गौतम बाबा, विशाल दास महाराज, अयोध्या के नरहरि दास महाराज, सिया दीदी के सानिध्य में निकाली गई। शोभायात्रा में मारवाड़ी युवा मंच की स्मिता लोहिया, कविता भालोटिया सहित सुनीता अग्रवाल, उर्मिला अग्रवाल, गरिमा गुप्ता, कनुप्रिया पाण्डेय, रागिनी आदि शामिल रहीं। कथा स्थल पर कुलपति डॉ. बिहारी लाल शर्मा, मेयर अशोक कुमार तिवारी, उद्यमी आरके चौधरी, दीपक बजाज, पद्माकर मिश्रा, संजय सिंह बबलू, अशोक अग्रवाल, बब्बू उपाध्याय मौजूद रहे। संचालन जयशंकर शर्मा व अशोक मिश्रा ने किया। अंत में व्यासपीठ की आरती लोकेंद्र करवा, राजेश तुलस्यान, राजेन्द्र जायसवाल, उमाशंकर अग्रवाल, अशोक सराफ, रवि बूबना, वेद अग्रवाल ने उतारी। सिय पिय मिलन महामहोत्सव के तीसरे दिन चल रही रामलीला के क्रम में प्रभु श्रीराम के जन्म की लीला का मंचन हुआ। प्रभु के जन्म पर सबने एक दूसरे को बधाई दी और उत्सव मनाया। लीला में घोड़े का खेल, बंदर मदारी का खेल आदि भी मंचित हुआ। इस अवसर पर अंगने में बधइया बाजे, जायो कौशल्या जी ने लल्ला... आदि बधाई गीत गाए गए। इसके साथ ही अखंड कीर्तन, मानस नवाह्न परायण पाठ एवं प्रभाती मंगल गीत का गायन चलता रहा। कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि सनातन बोर्ड के गठन के लिए काशी के संतों का आशीर्वाद लेंगे। मैं यहां के सभी विद्वानों से भी यह निवेदन करूंगा कि वह सब हमें आशीर्वाद दें। हमारा साथ दें कि हम सनातनी बोर्ड को बनाने में सफल हों। अगर यहां के विद्वानों कि हमारे पर कृपा हो जाएगी और यहां के सांसद ही हमारे प्रधानमंत्री हैं तो यहां की कृपा से ही सनातन बोर्ड का निर्माण होगा। काशी में मंदिरों से साईं की प्रतिमा को हटाने के अभियान का समर्थन किया।

गोरखपुर के इस इलाके में बदमाश से नहीं, तेंदुआ- भेड़िए से भी नहीं; जाने क्यों डरते हैं लोग

(आधुनिक समाचार नटवेक)

गोरखपुर। करोड़ी लाल गली में लोगों का कहना है कि वहां पर पिछले एक साल से बंदरों का झुंड घूम रहा है। वहां पर दो स्कूल है जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ने आते हैं। ये बंदर कई बार उनका

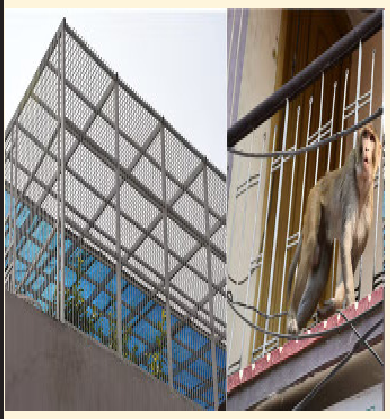

बैग छीनकर भाग जाते हैं। उनका कहना था कि कुछ दिनों पहले बंदर ने एक बच्चे पर हमला भी कर दिया था। बच्चे स्कूल आने से डरने लगे हैं। सुमेर सागर इलाके में पिछले कुछ समय से बंदरों ने उत्पात मचा रखा है। वहां के लोग अब छत पर जाना बंद कर दिए हैं। लोगों ने छत पर जाली लगवा ली है ताकि बंदर घर में न घुस जाए। इसके बाद भी रास्ते में आते-जाते लोगों से बंदर सामान छीन लेते हैं करोड़ी लाल गली में लोगों का कहना है कि वहां पर पिछले एक साल से बंदरों का झुंड घूम रहा है। वहां पर दो स्कूल है जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ने आते हैं। ये बंदर कई बार उनका बैग छीनकर भाग जाते हैं। उनका कहना था कि कुछ दिनों पहले बंदर ने एक बच्चे पर हमला भी कर दिया था। बच्चे स्कूल आने से डरने लगे हैं।स्थानीय दीपक गोयल ने बताया कि बंदरों के उत्पात की वजह से घर के खिड़की-दरवाजे हमेशा बंद रहते हैं। महिलाएं छत पर कपड़े सुखाने भी नहीं जा रहीं। बगल में मंदिर है जिसका दरवाजा बंद रखा जाता है। उसमें से भी सामान उठाकर भाग जाते हैं। लोग दिन में भी घर से निकलने में डर रहे हैं। अशोक चांदवासिया ने बताया कि पहले इधर बंदर कम थे। पिछले एक साल में यह काफी ज्यादा बढ़ गए हैं। स्कूल आने वाले बच्चों को दौड़ाना शुरू कर दिए हैं। इलाके में बंदरों का उत्पात काफी ज्यादा बढ़ गया है। इनके डर से घर की छत जाली लगवाए हैं। लोग घरों से बाहर निकलने में कतरा रहे हैं। स्कूल आने वाले बच्चों को बंदर दौड़ा कर उनका बैग छीन लेते हैं। सबसे ज्यादा दिक्कत महिलाओं और बच्चों को है:बंदरों का झुंड अक्सर दुकान में आकर सामान उठा ले जाता है। इनके डर से आगे प्लास्टिक लगाए हैं लेकिन कई बार इसके भी अंदर आ जाते हैं। इनकी वजह से काफी नुकसान होता है।

जिले के 6474 विद्यार्थियों को मिलेगा मुफ्त शिक्षा का लाभ

(आधुनिक समाचार नटवेक)

मिर्जापुर। आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में निर्धन वर्ग के विद्यार्थियों

के प्रवेश के लिए रविवार से ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हो गया। इसके साथ ही इस शैक्षिक सत्र से 417 नए विद्यालयों को आरटीई पोर्टल पर पंजीकृत कराया गया है। इससे अब जिले के 6474 विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा का लाभ मिल सकेगा। यह जानकारी देते हुए बीएसए अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के विशेष प्रयास से यह संभव हो सका है। उन्होंने बताया कि इससे पहले जिले में अनिवार्य शिक्षा के तहत कक्षा एक से कक्षा आठ तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा 371 स्कूलों में 3658 लाभार्थियों को ही दी जा रही थी, जबकि यू-डायस पोर्टल पर जिले के 788 स्कूल मान्यता प्राप्त के रूप में पंजीकृत हैं। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी के विशेष प्रयास से इस सत्र में नए 417 स्कूलों को आरटीई पोर्टल पर पंजीकृत कराया गया है। इससे अब आरटीई पोर्टल पर पंजीकृत स्कूलों की संख्या 788 हो जाने से 6474 विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि नए शैक्षिक सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए आरटीई पोर्टल पर पंजीकरण एक दिसंबर से प्रारंभ हो गया है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

जब आमिर खान को पहचान नहीं सकीं शालिनी पांडे, अभिनेत्री ने किया मजेदार खुलासा

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। शालिनी पांडे ने अपने सह-कलाकार जुनैद खान के पिता, आमिर खान के साथ हुई एक खान के पिता आमिर खान के साथ मैसेज में हुई अपनी मजेदार बातचीत के बारे में बात की। शालिनी पांडे को सिद्धार्थ पी मल्होत्रा

मजेदार टेक्स्ट बातचीत का खुलासा किया है। शालिनी का यह अनुभव दिखाता है कि आमिर खान न केवल एक बड़े अभिनेता हैं बल्कि एक दिलचस्प और जिंदादिल इंसान भी हैं।आमिर खान बॉलीवुड के सबसे सफल अभिनेताओं में से एक हैं। उनके खाते में कई हिट फिल्में हैं। जहां इंडस्ट्री, फिल्मों के प्रति उनके समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना करती है। वहीं, उनका हंसमुख स्वभाव भी फिल्म इंडस्ट्री के लोगों के बीच खासा लोकप्रिय है। हाल ही में फिल्म महाराज में काम कर चुकी अभिनेत्री शालिनी पांडे ने अपने सह-कलाकार जुनैद की ऐतिहासिक ड्रामा 'महाराज' में किशोरी के रूप में काफी लोकप्रियता हासिल हुई। बॉलीवुड हंगामा से एक हालिया बातचीत के दौरान उन्होंने जुनैद खान के पिता आमिर खान के साथ मैसेज के माध्यम से हुई अपनी बातचीत के बारे में बताया। इस मजेदार कहानी के बारे में शालिनी ने कहा कि उन्हें महाराज की सफलता पार्टी में अपने दोस्त जुनैद के साथ जाने का था। उसी दिन उन्हें आमिर खान की तरफ से एक मैसेज आया, जिसमें उन्होंने पूछा कि वह पार्टी में शामिल हो रही हैं या नहीं, लेकिन इससे पहले कि वह जवाब देतीं, उन्होंने आमिर से उनकी पहचान बताने को कहा। अभिनेत्री के मुताबिक आमिर ने तुरंत खुद को 'जुनैद के पापा' कहा। हालांकि, इसके बाद भी शालिनी उन्हें पहचान नहीं पाईं और उन्होंने जवाब दिया, ठजुनैद के पापा कौन?ठ कुछ सेकंड बाद उन्हें एहसास हुआ कि वह आमिर खान थे। इसके बाद अपनी गलती पर शालिनी ने आमिर से माफी मांगी। वहीं, वह भी बिना किसी नाराजगी के बोले, ठबिल्कुल, मैं तुम्हारा अंकल हूं, मैं जुनैद का पापा हूं!ठ इस किस्से को साझा करते हुए शालिनी ने कहा कि वह यह सवाल इसलिए पूछ रही थीं, क्योंकि एक पल के लिए उन्हें याद नहीं रहा था कि जुनैद के पिता कौन हैं। गौरतलब है कि जुनैद खान ने बॉलीवुड में अभिनय की शुरुआत फिल्म महाराज से की थी। शालिनी और जुनैद के अलावा इस फिल्म में जयदीप अहलावत और शरवरी भी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। यह साल 1862 के महाराज लीगल केस पर आधारित है, जो सौरभ शाह के उपन्यास में वर्णित है। वर्क फ्रंट की बात करें तो शालिनी पांडे ने साल 2022 की कॉमेडी-ड्रामा फिल्म जयेशभाई जोरदार से हिंदी फिल्मों में बतौर अभिनेत्री अपनी शुरुआत की थी। मौजूदा समय में वह अपनी आगामी तमिल फिल्म इडली कढ़ाई की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें धनुष और नित्या मेनन मुख्य भूमिका में हैं।

बेस्ट एक्ट्रेस बनीं हुमा कुरैशी, निखिल आडवाणी ने जीती बेस्ट डायरेक्टर की ट्रॉफी

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड्स के विजेताओं की सूची भी सामने आ चुकी हैं।फिल्मफेयर

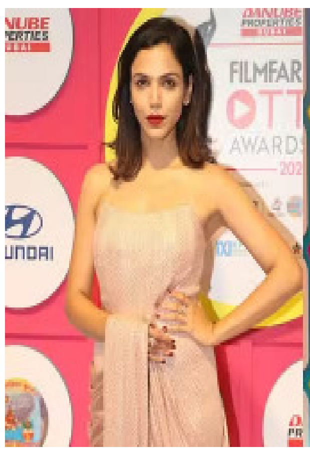
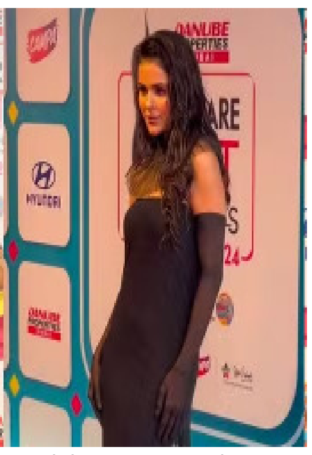

अवॉर्ड्स कार्यक्रम आज मुंबई में आयोजित किया गया, जिसमें कई दिग्गज हस्तियों ने शिरकत की। वहीं, अब फिल्मफेयर ओटीटी ओटीटी अवॉर्ड्स 2024 की शुरुआत हो चुकी है। डिजिटल मनोरंजन उद्योग में सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रमों में से एक फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड्स कार्यक्रम आज मुंबई में आयोजित किया गया है। संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' और इम्तियाज अली निर्देशित 'अमर सिंह चमकीला' ने फिल्मफेयर ओटीटी अवार्ड्स 2024 में कई ट्रॉफियां अर्जित कीं। ऐसे में चलिए एक नजर डालते हैं फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड्स 2024 के विजेताओं की सूची पर...कई लोकप्रिय हस्तियों ने फिल्मफेयर ओटीटी अवार्ड्स 2024 के रेड कार्पेट कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, जिससे यह सितारों से भरा समारोह बन गया। यह बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम लक्ष्य लालवानी, तनुज विरवानी, स्पर्श श्रीवास्तव, श्रिया पिलगांवकर, प्रियंका चाहर चौधरी और बरखा सिंह जैसी हस्तियों के साथ शुरू हुआ, जिन्होंने रेड कार्पेट पर अपनी उपस्थिति से सबका ध्यान खींचा।

हम स्वैग-दादागीरी से खुश हैं, विवेक ओबेरॉय की तारीफ कर कविता कौशिक ने सलमान खान पर साधा निशाना

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। अभिनेत्री कविता कौशिक ने कथित तौर पर विवेक ओबेरॉय की तारीफ करते हुए सलमान खान पर कटाक्ष किया, की। दरअसल, विवेक ओबेरॉय की नेटवर्थ के बारे में यूट्यूबर मैक्सटर्न के ट्वीट के जवाब में कविता ने लिखा, 'एक बेहतरीन अभिनेता अपनी महिला के लिए खड़ा रहा,

जिसके बाद वे अब सुर्खियों में छाई हुई हैं।पूर्व टेलीविजन अभिनेत्री और 'बिग बॉस 14' की प्रतियोगी कविता कौशिक ने विवेक ओबेरॉय की तारीफ करते हुए सलमान खान पर कटाक्ष करने के लिए सुर्खियां बटोरी हैं। यह सब तब शुरू हुआ, जब उन्होंने एक्स अकाउंट पर विवेक ओबेरॉय की 1200 करोड़ रुपये की कथित कुल संपत्ति की प्रशंसा सबसे बड़े सच बोलने के खिलाफ लड़स लेकिन हम एक देश के रूप में स्वैग, दादागिरी और रोस्टिंग से मंत्रमुग्ध हैं।' हालांकि, उन्होंने सीधे तौर पर सलमान खान का नाम नहीं लिया।इसके तुरंत बाद सोशल मैदा पर रेडिट यूजर्स ने कौशिक के पुराने ट्वीट्स खोज निकाले, जिसमें उन्होंने पहले सलमान की तारीफ की थी यूजर्स का कहना है कि बिग बॉस 14 में अपनी यात्रा के दौरान उन्हें मिली आलोचना के बाद, अब वह कथित तौर पर खान की आलोचना कर रही हैं। इससे पहले कविता ने कहा था कि सलमान खान शो में उनकी बात सुनने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा था, 'वह सुनते नहीं हैं। उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है।'कविता ने बिग बॉस 14 में भाग लेने के बारे में भी खेद व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मेरा वास्तव में बुरा अनुभव था। मैं अभी भी कभी-कभी इसके बारे में सोचकर बीमार महसूस करती हूं। मुझे अजीब और उल्टी जैसा लगता है।' रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला के साथ तीखी की बहस के बाद कविता बिग बॉस 14 से बाहर हो गईं। शो में अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने एजाज खान के साथ अपनी झड़पों के लिए भी सुर्खियां बटोरीं।इस साल की शुरुआत में कविता ने टीवी इंडस्ट्री से अपने प्रस्थान की घोषणा की थी। उनका कहना है कि अब टीवी पर वे वापसी नहीं करेंगी, क्योंकि अब इसका कंटेंट बहुत ही घटिया किस्म का हो चुका है। उन्होंने कहा था कि अब उन्हें टीवी इंडस्ट्री में काम करने में कोई दिलचस्पी नहीं है, लेकिन वह फिल्मों या वेब शो में काम करने के लिए तैयार हैं।

24 घंटे के भीतर 'पुष्पा 2' की एडवांस बुकिंग में आया उछाल ऑल टाइम टॉप तीन में शामिल

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। पुष्पा 2 द रूल इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म की रिलीज डेट जैसे-जैसे नजदीक आ रही है फिल्म को लेकर प्रशंसकों का उत्साह और अधिक बढ़ता जा रहा है। फिल्म को लेकर प्रशंसकों का उत्साह इस फिल्म की एडवांस बुकिंग से साफ लगाया जा सकता है। इस फिल्म की एडवांस बुकिंग में 24 घंटों के भीतर भारी उछाल देखने को मिला है। यह फिल्म बेचने वाली ऑल टाइम टॉप तीन भारतीय फिल्मों की सूची में शामिल हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुष्पा 2 के हिंदी संस्करण ने देश भर के प्रमुख मल्टीप्लेक्स चेन में 26 घंटों में 1 लाख से अधिक टिकट बेचे हैं। पुष्पा 2 ने पहले ही स्त्री 2 (41ख्), डंकी (42ख्), एनिमल (52.5ख्), और टाइगर 3 (65ख्) जैसी लोकप्रिय बॉलीवुड फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है और शाहरुख खान की पठान (117ख्) और जवान (155ख्) से

अब एडवांस बुकिंग के मामले में ऑल टाइम टॉप में शामिल हो चुकी है।पुष्पा 2 द रूल 5 दिसंबर को रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की रोमांटिक केमिस्ट्री के साथ भरपूर एक्शन भी दिखने को मिलेगा। पुष्पा 2 द रूल फिल्म 2021 में रिलीज हुई फिल्म पुष्पा द राइज का दूसरा भाग है। फिल्म की एडवांस बुकिंग में लगातार उछाल आ रहा है और अब यह फिल्म ऑल टाइम टॉप तीन में शामिल हो गई है। बड़े पैमाने पर वैश्विक रिलीज से सिर्फ 3 दिन पहले, अल्लू अर्जुन और सुकुमार की बहुप्रतीक्षित एक्शन ड्रामा, पुष्पा 2ः द रूल, कई मौजूदा रिकॉर्ड तोड़ रही है और प्री-सेल्स में नए मानक स्थापित कर रही है। यह फिल्म शाहरुख खान की जवान और पठान के बाद सबसे ज्यादा टिकट आगे है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म ने पहले ही प्री-सेल्स के साथ दुनिया भर में 60 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है और यह पहले कभी नहीं देखी गई रिकॉर्ड ओपनिंग वेफ लिए तैयार है, जो आरआरआर, बाहुबली 2 और केजीएफ 2 की दुनिया भर में पहले दिन की कमाई के करीब या उससे आगे निकल जाएगी। पुष्पा 2 के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बारे में और अपडेट के लिए बने रहें। पुष्पा 2 में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना के अलावा मॉलीवुड स्टार फहाद फासिल भी नजर आएंगे। यह फिल्म माइथ्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स बैनर के तहत बनाई गई है। देवी श्री प्रसाद फिल्म के संगीतकार हैं। फिल्म की रिलीज को लेकर प्रशंसकों में काफी उत्साह है।

कला' के पूरे हुए दो साल, तृप्ति डिमरी ने कहा-जैसे कल की ही बात हो

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली।तृप्ति डिमरी ने अपनी फिल्म 'कला' के दो साल पूरे होने पर इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाते हुए

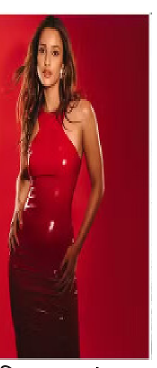

शूटिंग की यादों को साझा किया। अभिनेत्री ने लिखा, 2 साल... फिर भी ऐसा लगता है जैसे कल की ही बात हो।ड्ढतृप्ति डिमरी बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक बन चुकी है। हाल ही में उनकी फिल्म 'भूल भूलैया 3' ने बॉक्स ऑफिस में बड़ी सफलता हासिल की है। तृप्ति डिमरी ने श्रीदेवी के साथ मॉम में अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। कई फिल्मों में अभिनय करने के बाद उन्हें कला मिली। इस पीरियड साइकोलॉजिकल ड्रामा में उनकी भूमिका के लिए उन्हें काफी सराहना मिली। इस फिल्म को रिलीज हुए 1 दिसंबर को दो साल हो गए। इस अवसर पर अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर स्टोरी साझा कर जश्न मनाया।जैसे ही फिल्म के रिलीज के दो साल पूरे हुए अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी का सहारा लिया। उन्होंने सबसे पहले एक क्लिप रीपोस्ट की जिसमें उन्हें फिल्म के 'घोड़े पे सवार' लोकप्रिय गाना गाते हुए दिखाया गया है। फिर उन्होंने फिल्म में अपने किरदार की एक क्लिप पोस्ट की और लिखा, 2 साल... फिर भी ऐसा लगता है ।

अपने 9 महीने के बच्चे को धमकी पर विक्रांत मैसी की प्रतिक्रिया हुई वायरल बोले- उसकी सुरक्षा

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। विक्रांत मैसी ने हाल ही में साबरमती रिपोर्ट के प्रचार अभियान के दौरान अपनी भावनाएं व्यक्त की थीं, जो संवेदनशील विषय हो रहा है 12वीं फेल अभिनेता विक्रांत ने हाल ही में द साबरमती रिपोर्ट के प्रचार अभियान के दौरान अपने डर को साझा किया था, जो अपने संवेदनशील विषय- 2002 गोधरा ट्रेन अग्निकांड के कारण विवादों में घिर गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान विक्रांत ने खुलासा किया कि उन्हें सोशल मीडिया और व्हाट्सएप के माध्यम से धमकियां मिल रही थीं, जिसमें उनके सिर्फ 9 महीने के बेटे वरदान को भी निशाना बनाया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्रांत ने कहा, 'मुझे सोशल मीडिया और व्हाट्सएप पर धमकियां मिल रही हैं। इन लोगों को पता है कि मैं 9 महीने पहले पिता बन गया हूं। वे मेरे नवजात बेटे को इसमें घसीट रहे हैं। मैं मैं उसकी सुरक्षा के लिए चिंतित हूं। हम किस तरह के समाज में रह रहे हैं? यह निराशाजनक है, हालांकि डरावना नहीं है। अगर मैं डरा हुआ होता, तो हम यह फिल्म नहीं बनाते और इसे लोगों के सामने नहीं लाते।''साबरमती रिपोर्ट में विक्रांत के साथ राशि खन्ना और

रिद्धि डोगरा हैं और इसका निर्देशन धीरज सरना ने किया है। यह फिल्म साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 कोच में आग लगने की दुखद घटना और उसके बाद की घटनाओं को फिर से दिखाती है। विवादों के बावजूद, इसे आलोचकों की प्रशंसा मिली है और इसे भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव छ्इझ् 2024 में प्रदर्शित किया गया। हाल ही में, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी कलाकारों से मुलाकात की और फिल्म के प्रयासों की प्रशंसा की थी।15 नवंबर को रिलीज हुई यह फिल्म गुजरात, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे कई राज्यों में कर-मुक्त घोषित की गई है और इसने राष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर 22 करोड़ रुपये की कमाई की है। के कारण विवादों में घिर गई थी। इसके अलावा विक्रांत ने अपने 9 महीने के बेटे वरदान को लेकर भी चिंता व्यक्त की थी।1 दिसंबर को विक्रांत मैसी की अचानक रिटायरमेंट की घोषणा ने प्रशंसकों को दुखी कर दिया है। अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में, विक्रांत ने खुलासा किया कि वह एक पति, पिता और बेटे के रूप में अपनी भूमिकाओं को निभाएंगे। क्योंकि वह आगे भविष्य में अभिनय से दूर रहने का फैसला ले चुके हैं। इसी बीच विक्रांत मैसी का एक पुराना बयान, जिसमें उन्होंने अपने 9 महीने के बेटे वरदान की सुरक्षा के लिए चिंता व्यक्त की थी। विक्रांत का यह पोस्ट फिर से सोशल मीडिया पर वायरल

मिस वर्ल्ड' जीतने के बाद प्रियंका का खुले दिल से नहीं हुआ स्वागत अभिनेत्री की मां का खुलासा

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा की मां मधु चोपड़ा ने खुलासा किया कि जब प्रियंका 'मिस वर्ल्ड' का खिताब जीतकर वापिस आईं तो उनके गृह राज्य में उनका खुले दिल से स्वागत नहीं हुआ। आइए जानते हैं विस्तार सेष्ठबॉलीवुड गौरवान्वित किया। हाल ही में एक साक्षात्कार में अभिनेत्री की मां मधु चोपड़ा ने बताया कि उनके गृहनगर बरेली में प्रियंका का खुले दिल से स्वागत नहीं हुआ, क्योंकि उस समय, यह गलत धारणा थी कि सौंदर्य प्रतियोगिताएं महिलाओं के शोषण के लिए होती हैं। प्रियंका

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा की मां मधु चोपड़ा ने हाल ही में कुछ ऐसा खुलासा किया, जिसने सभी को चौंका दिया। उन्होंने साझा किया कि 'मिस वर्ल्ड' का खिताब जीतने के बाद उनकी बेटी और अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा का उनके गृह राज्य में खुले दिल से स्वागत नहीं हुआ। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने वर्ष 2000 में 'मिस वर्ल्ड' का खिताब अपने नाम किया और पूरे देश को की मां मधु चोपड़ा ने यूट्यूब पर 'समथिंग बिगर शो' के साथ बातचीत के दौरान यह खुलासा किया। उन्होंने उस समय को याद किया जब उनकी बेटी ने 2000 में 'मिस वर्ल्ड' का ताज जीता था। उन्होंने दुख के साथ बताया कि जब अभिनेत्री जीत के बाद बरेली गईं, तो लोग उनका स्वागत करने के लिए तैयार नहीं थे। प्रियंका की मां ने इसके पीछे का कारण बताते हुए कहा, ठउस समय एक गलत धारणा थी कि ये सभी सौंदर्य प्रतियोगिताएं नारी शोषण के लिए होती हैं।ठ उन्होंने साझा किया कि लोगों ने यह भी कहा कि प्रतियोगिताएं महिलाओं को वस्तु बनाकर उन्हें शर्मिंदा कर रही हैं। इसलिए आयोजकों को उन्हें आने की अनुमति दिलाने में मुश्किल हुई, जो शर्तों के साथ आई थीं। अभिनेत्री की मां ने बताया आखिरकार, उन्हें केवल सेना क्षेत्र में आने की अनुमति दी गई। इसके अलावा, उन्हें केवल आर्मी क्लब में ही अपनी वेलकम पार्टी करने की अनुमति मिली, जिसमें केवल सेना के अधिकारी थे और कोई आम नागरिक नहीं था। मधु ने कहा कि उस समय खिताब जीतना बहुत बड़ी बात थी, लेकिन फिर 'उनके अपने गृह राज्य ने उनका स्वागत नहीं किया प्रियंका की मां ने आगे कहा कि प्रियंका का शोषण नहीं किया गया। उन्होंने अपनी शर्तों पर यह किया। उन्हें अवसर मिला और उन्होंने इसे बखूबी निभाया, लेकिन जब प्रियंका मुंबई पहुंची तो उनका खुले दिल से स्वागत किया गया। उनके प्रशंसकों ने उनका स्वागत किया और उनके लिए फिल्मों के प्रस्तावों की बाढ़ आ गई।

दुआ लीपा के 'लेविटेटिंग वो लड़की जो' मैशअप से नाराज हुए अभिजीत भट्टाचार्य, बेटे जय ने भी की आलोचना

(आधुनिक समाचार नटवेक)
नई दिल्ली। दुआ लीपा के कॉन्सर्ट के सबसे वायरल पलों में से एक

था उनक 'लेविटेटिंर्ग` वो लड़की जो' मैशअप पर परफॉर्म करना, लेकिन इस पर अभिजीत भट्टाचार्य और उनके बेटे जय नाराज हो गए।पॉप स्टार दुआ लीपा ने हाल ही में मुंबई में एक कॉन्सर्ट आयोजित किया। यह कार्यक्रम मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया गया था। दुआ लीपा के कॉन्सर्ट में फिल्म इंडस्ट्री और दूसरे क्षेत्रों के कई बड़े नाम शामिल हुए। इन बड़े नामों में अनंत अंबानी, उनकी पत्नी राधिका मर्चेंट, आनंद पीरामल और कई अन्य हस्तियां शामिल थीं। कॉन्सर्ट हिट रहा और इसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। कॉन्सर्ट के सबसे वायरल पलों में से एक था दुआ लीपा का 'लेविटेटिंर्ग वो लड़की जो' मैशअप पर परफॉर्म करना। दुआ लीपा ने अपने गाने पर परफॉर्म किया और फैंस उस समय हैरान रह गए जब स्टेज पर शाहरुख खान की फिल्म बादशाह का गाना 'वो लड़की जो सबसे अलग है' बजा। यह रुचिर कुलकर्णी द्वारा बनाया गया मैशअप है, जो काफी वायरल हुआ था। शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान और अन्य लोग अपना उत्साह नहीं रोक सके और दुआ लीपा की परफॉर्मेंस के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए, लेकिन ऐसा लग रहा है कि गायक अभिजीत भट्टाचार्य इस चर्चा से बहुत खुश नहीं हैं।'वो लड़की जो' गाने को अभिजीत भट्टाचार्य ने गाया था और अनु मलिक ने कंपोज किया था। अभिजीत भट्टाचार्य ने अपनी इंस्टा स्टोरीज पर कई पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि कैसे गाने का श्रेय शाहरुख खान को दिया जा रहा है न कि गायक को। यहां तक कि उनके बेटे जय भट्टाचार्य ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करके बताया कि इस देश में हमेशा से अभिनेताओं के बारे में क्या कहा जाता रहा है। जय ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर बताया कि कैसे उनके पिता का नाम नहीं लिया गया। उन्होंने लिखा, 'समस्या यह है कि कोई भी इसके बारे में बात नहीं करता है। वो लड़की जो-अभिजीत का क्या हुआ? दुर्भाग्य से हम ऐसे देश में रहते हैं, जहां एक भी समाचार आउटलेट या इंस्टाग्राम पेज ने इस गीत की आवाज और कलाकारों के बारे में नहीं बताया। इस देश में हमेशा अभिनेताओं के बारे में ही क्यों बात की जाती है? मुझे यकीन है कि जब दुआ लीपा ने यह गाना सुना होगा तो उन्होंने इसे सुना होगा।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।